जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, शुक्रवार 28 मार्च, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव

विकास एवं सुशासन उत्सव

लगभग 10 हजार करोड़ रुपए के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

28 मार्च, 2025 | चित्रकूट धाम स्टेडियम, भीलवाड़ा | अपराह्न 12:00 बजे

शुभारंभ / विमोचन

• राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना का शुभारम्भ • सभी जिलों की पंच गौरव पुस्तिका का विमोचन • ई-उपचार एप का लांच

योजनाओं के दिशा निर्देश/आदेश

- स्थानीय निकायों का सशक्तिकरण
- फायर एन.ओ.सी. प्रक्रिया का सरलीकरण
- रजिस्ट्री अब सप्ताह में 2 दिन प्रातः 8 से रात्रि 8 बजे तक
- हरित अरावली विकास परियोजना
- नये जिलों में डी.एम.एफ.टी. गठन
- राशन दुकानों में अन्नपूर्णा भण्डार

राजस्थान संवाद

विकसित राजस्थान - समृद्ध राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

दूसरों पर शक करना कभी-कभी गुनाह हो जाता है। –कुरान

क्या सिद्धारमैया सरकार का ठेकों में मुस्लिमों को 4% आरक्षण देने का कोई औचित्य है?

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दिनांक 14.03.2025 को केबीनेट की मीटिंग में कर्नाटक ट्रान्सपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योर्मेन्ट एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव रखा, जिसे मंजूर किया गया। इसे विधानसभा में पेश किया जावेगा। इससे पूर्व सरकार ने बजट सत्र के समय घोषणा की थी कि सार्वजनिक कार्यों के ठेकों में 4% आरक्षण मुस्लिम समुदाय को दिया जावेगा और यह आरक्षण श्रेणी II बी के अन्तर्गत आयेगा। यह भी स्पष्ट किया गया कि यह व्यवस्था सरकारी विभागों, निगमों और संस्थानों द्वारा वस्तुओं व सेवाओं की खरीद पर लागू होगी। एसटी, एससी और ओबीसी को इसमें पहले से आरक्षण है। जो श्रेणी I, श्रेणी II ए में है। अब इसमें श्रेणी II बी को जोडा जायेगा, जिसमें मुस्लिम समुदाय है। आरक्षित वर्ग के ऐसे ठेकेदार 2 करोड़ तक के ठेके के अधिकारी (पात्र) होंगे। इस प्रकार कर्नाटक में सरकारी टेन्डर व ठेकों में मुस्लिमों को 4% कोटा देने की तैयारी करली है। यह कहा गया है कि 4% आरक्षण ओबीसी केटेगरी में होगा, किन्तु ये 4% मुस्लिम ओबीसी केटेगरी के मापदण्डों की पूर्ति नहीं करते।

भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारतीय राज्य के विरूद्ध खुला युद्ध छेडने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुये कहा कि कांग्रेस नेता ने कथित संवैधानिक सिद्धान्तों पर साम्प्रदायिक तुष्टिकरण को प्राथमिकता देने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने 17 मार्च 2025 को सरकारी ठेकों में मुस्लिम ठेकेदारों के लिये 4 प्रतिशत आरक्षण के कर्नाटक सरकार के प्रस्ताव का असंवैधानिक कदम कहा है और इसे न्यायालय में चुनौती देने की घोषणा की है। दिनांक 24.03.2024 को संसद में भी भाजपा ने आरक्षण का विरोध करते हुये, उसे असंवैधानिक बतलाया।

आरक्षण के प्रावधान संवैधानिक के भाग 16 में पढ़ने को मिलते हैं। कुछ वर्गों के सम्बन्ध में अनुच्छेद 330, 331, 332, में आरक्षण व विशेष प्रतिनिधित्व का उल्लेख है। अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण का उल्लेख हमें भाग 16 में मिलेगा। अनुच्छेद 334 में लोकसभा व राज्यों की विधानसभाओं के लिये एसटी व एससी के आरक्षण के प्रावधान है। पिछड़ों के आरक्षण का प्रावधान भी आप इसी भाग में पढ़ सकते हैं। संवैधानिक संशोधन से अनुच्छेद 342ए जोड़ा गया है। यह प्रावधान सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग के लिये है।

केरल, बिहार, तामिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल व उत्तरप्रदेश में मुस्लिमों के लिये आरक्षण का विशेष प्रावधान है। मुसलमानों को अल्पसंख्यक होने के नाते आरक्षण है। जबकि अल्पसंख्यकों में मुस्लिमों के अतिरिक्त जैन, सिख, ईसाई और अन्य समुदाय भी हैं। आर्थिक आधार पर तथा प्रोमोशन में भी आरक्षण दिया गया है। अब तो यह कहा जा रहा है कि रेल के टिकिटों पर भी आरक्षण की मांग होगी।

संविधान में अल्पसंख्यक शब्द का प्रयोग अनुच्छेद 29 व अनुच्छेद 30 में मिलता है। अल्पसंख्यक शब्द को संविधान में परिभाषित नहीं किया गया है। साधारण रूप से हम कह सकते हैं बहुसंख्यक के विपरीत जो संख्या में कम हैं वे अल्पसंख्यक हैं। देश के कुछ लोगों के समूह की यदि कोई विशिष्ट भाषा, लिपि, संस्कृति है तो उसके अनुसार उन्हें आरक्षण का अधिकार प्राप्त है। इसी प्रकार धर्म व भाषा के आधार पर अल्पसंख्यकों को अपनी शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने का अधिकार भी है। सरकार उनके कार्यों में कोई दखल भी नहीं देगी। धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान संविधान में नहीं है। भारतीय संविधान की संरचना अद्‌भुत है। अनुच्छेद 14 में Right to Equality यानी समता का अधिकार दिया और अनुच्छेद 15 में घोषणा की कि धर्म, मूलवंश जाति, लिंग का जन स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। साथ ही यह भी निर्देश दे दिया कि राज्य सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछडे हुये नारगिकों की उन्नति के लिये या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिये व्यवस्था करने से अन्य कोई बात होने पर उपबन्ध करने से निवारित नहीं करेगा।

अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के हेतु राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 लाया गया था। इस अधिनियम की धारा 2(सी) में अल्पसंख्यक की परिभाषा है, उसके अनुसार अल्पसंख्यक वह है जिसे केन्द्र सरकार राजपत्र में विज्ञप्ति प्रकाशित कर करेगी। अधिनियम, 1992 की धारा 2(सी) इस प्रकार है:-

(c) Minority for the purposes of this Act, means a community notified as such by the Central Government.

भारत सरकार ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का गठन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 के तहत् किया और प्रारम्भ में केन्द्र सरकार ने पांच धार्मिक समुदायों अर्थात् मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध और पारसी को अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में अनुसूचित किया गया; किन्तु काफी समय बाद जैनों को अल्पसंख्यक के रूप में अनुसूचित किया गया। राज्य स्तर पर भी अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया गया। राजस्थान व अन्य राज्यों में राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 29/30 के अन्तर्गत जैनों को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया।

वस्तुतः 4% मुसलमानों का सरकारी अनुबंधों में आरक्षण, इन्द्रा साहनी के केस से भिन्न है। मूल प्रश्न है, अल्पसंख्यक कौन है? अल्पसंख्यक की परिभाषा जो राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिनियम, 1992 की धारा 2(सी) में है, वह तो प्रत्यक्षतः ही निरंकुश है, विवेकशून्य है और साथ ही हास्यास्पद भी। जब अल्पसंख्यक की परिभाषा ही अवैध है तो फिर अधिनियम 1992 स्वयं ही अर्थ शून्य हो जायेगा।

केन्द्र सरकार ने प्रथम नेशनल कमीशन फॉर माइनोरिटी का गठन आदेश दिनांक 12.1.1978 को किया था। इस कमीशन को मान्यता देने हेतु ही अधिनियम 1992 लाया गया था।

जैसा ऊपर यह स्पष्ट लिखा गया है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 में किसी कॉम्यूनिटी को अल्पसंख्यक घोषित करने का अधिकार केवल केन्द्र सरकासर को था। अब राज्य सरकार को यह अधिकार प्राप्त है। अधिनियम 1992 की धारा 2(सी) में अल्पसंख्यक की परिभाषा में यह कहा गया है कि जिसे केन्द्र सरकार राजपत्र में विज्ञप्ति प्रकाशित कर करे वह अल्पसंख्यक है। केन्द्र सरकार ने निरंकुश होकर, बिना किसी वर्गीकरण के उक्त परिभाषा दी है। कानून की दृष्टि से यह अनुच्छेद 14 के अनुसार अवैध है, चूंकि अमर्यादित है निरंकुश है। फिर 4% आरक्षण ओबीसी केटेगरी में देने का तो कोई औचित्य ही नहीं है।

साधारण भाषा में अल्पसंख्यक का अभिप्राय है मेजोरिटी के विपरीत, बडे ग्रुप से छोटा ग्रुप। माइनोरिटी के तीन रूप हैं, राजनीतिक, धार्मिक व भाषाई माइनोरिटी। इनमें से धार्मिक व भाषाई अल्पसंख्यक के बाबत उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 29 में मिलता है, किन्तु राजनीतिक अल्पसंख्यक को संविधान में कोई स्थान नहीं दिया गया है। टीएमए पाई फाउण्डेशन के केस का निर्णय बडी पीठ का निर्णय है। इस केस में यह स्पष्ट निर्णय है, चूंकि कि देश का पुनर्गठन भाषा के आधार पर है अत: राज्यों में अल्पसंख्यकों का निर्णय भी उसी प्रकार होना चाहिये। टीएमए पाई फाउण्डेशन के केस में यह स्पष्ट किया है कि चूंकि पूर्व से राज्यों में ईसाई मेजोरिटी में है अत: हिन्दू वहां अल्पसंख्यक है। जम्मू कश्मीर में मुस्लिम बहुमत में है अत: हिन्दू अल्पसंख्यक है। अल्पसंख्यक से अभिप्राय है धार्मिक अल्पसंख्यक है। जैनों को अल्पसंख्यक इसलिये माना कि जैन धर्म वैदिक धर्म से पूर्व का है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव हैं। ऋषभदेव का उल्लेख वेदों में मिलता है, अत: यह कहना गलत है कि जैन धर्म हिन्दू धर्म का भाग है। उक्त निर्णय के अनुसार केन्द्रीय सरकार को अल्पसंख्यकों की घोषणा का अधिकार नहीं है, यह विषय राज्य सरकार का है।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 न तो केन्द्र की लिस्ट-1 में और न राज्य लिस्ट के विषयों के तहत् ही आते हैं। टीएमए पाई के केस 2002 (2) एससीसी 481 में जो विवेचन सुप्रीम कोर्ट ने किया है उसके बाबत संसद को शिक्षा के बाबत कानून बनाने का अधिकार है। जबकि अधिनियम 1992 उन अल्पसंख्यकों के हेतु है जिन्हें केन्द्रीय सरकार अल्पसंख्यक घोषित करेगी और अनुच्छेद 29/30 धार्मिक व भाषायी अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थानों को संचालित करने का मूल अधिकार देता है और टीएमए पाई का निर्णय निर्देश देता है कि ऐसे शिक्षण संस्थानों के मामले में केन्द्र कोई दखल नहीं देगी। अत: यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिनियम, 1992 अवैध है और साथ ही अल्पसंख्यक की परिभाषा अविवेकपूर्ण है, निरंकुश है और अधिकार शून्य होने से अवैध है। इस अधिनियम 1992 की वैधानिकता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा चुकी है।

उपरोक्त विवेचन से हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि कर्नाटक सरकार ने सरकारी ठेकों में मुलसलमानों को जो 4% कोटा (आरक्षण) दिया है वह अवैध है। इन्द्रा साहनी के केस में जो आरक्षण के सम्बन्ध में एक अकाटय नजीर है, उसके अनुसार भी यह आरक्षण असंवैधानिक है। उक्त नजीर में जो सिद्धान्त प्रतिपादित किये हैं, उसके अनुसार आरक्षण पिछडेपन (सामाजिक उत्पीडन) के आधार पर है। यह माना गया है कि हिन्दू व गैर हिन्दू की गणना के अनुसार हिन्दू 50% से अधिक हैं और दूसरा सिद्धान्त उक्त केस में यह निर्धारित किया है कि गैर हिन्दू आरक्षण 50% से अधिक नहीं हो सकता। वस्तुत: 4% मुसलमानों का सरकारी अनुबंधों में आरक्षण, इन्द्रा साहनी के केस से भिन्न है। मूल प्रश्न है, अल्पसंख्यक कौन है? अल्पसंख्यक की परिभाषा जो राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिनियम, 1992 की धारा 2(सी) में है, वह तो प्रत्यक्षत: ही निरंकुश है, विवेकशून्य है और साथ ही हास्यास्पद भी। जब अल्पसंख्यक की परिभाषा ही अवैध है तो फिर अधिनियम 1992 स्वंय ही अर्थ शून्य हो जायेगा। यह भी हमारी जानकारी में होना चाहिये कि इन्द्रा साहनी का केस समाज के पिछडों, एससी व एसटी के लोगों को समानता के स्तर पर लाने के हेतु था। किन्तु यह स्थिति उन लोगों की नहीं है, जिन्हें धारा 2(सी) की केटेगरी में अल्पसंख्यक के रूप में लिया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि मत प्राप्त करने हेतु कुछ धर्म के लोगों को लुभाने हेतु यह कानून लाया गया है। फ्रीबीज का यह भी एक रूप है।

कर्नाटक सरकार का निर्णय कि वह सार्वजनिक कार्यों के ठेके में 4% आरक्षण मुस्लिमों को देंगे जबकि एसटी, एससी और ओबीसी को पहले ही से आरक्षण है। विभिन्न प्रकार के आरक्षण से जहां विकास होना चाहिये था वहां 75 वर्ष पूरे हो जाने के बाद किसी को भी क्रिमीलेयर में स्थान नहीं दिया जा रहा है और अनुच्छेद 334 के तहत् आज भी आरक्षण को समय सीमा को अप्रभावी नहीं माना जा रहा है, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के अनुसार सही नहीं है यह कृत्य धार्मिक भेदभाव व तुष्टिकरण का ही एक रूप है। अत: यह प्रावधान असंवैधानिक है।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राजस्थान स्थापना दिवस के सात दिवसीय कार्यक्रम सरकार के जनसरोकारों से जुड़ाव की पहल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

गौरवशाली इतिहास और परंपराओं को सहेजे राजस्थान का स्थापना दिवस पहली बार अंग्रेजी तारीख के स्थान पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जा रहा है। यह अवश्य संजोग ही माना जाएगा कि इस साल देशी और अंग्रेजी कलेण्डरों के हिसाब से 30 मार्च को ही राजस्थान दिवस आ रहा है। सबसे खास बात यह है कि पधारों म्हारे देस आंमत्रण के साथ राजस्थान दिवस का आयोजन महज औपचारिकता या आयोजन प्रयोजन तक सीमित ना रहकर एक विस्तृत सोच और चिंतन का परिणाम है और यही कारण है कि राजस्थान दिवस के कार्यक्रमों की रुपरेखा इस तरह से तैयार की गई है जिससे केवल एक दिन की औपचारिकता ना रहकर सात दिन तक प्रदेश के अलग अलग हिस्सों में राज्य स्तरीय कार्यक्रम हो और आम जन से जुड़ें कार्य, योजनाएं और सीधे संबंधित लोगों से संवाद कायम हो सके।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि राजस्थान दिवस एक दिन का औपचारिक आयोजन ना होकर सात दिन तक के आयोजन एक विस्तृत जनहित से जुड़ें कार्यक्रमों के साथ हो रहे हैं। 25 मार्च को बाड़मेर में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन के आयोजन के साथ आरंभ हुए इन कार्यक्रमों की कड़ी में पहले दिन ही एक क्लिक के साथ ही लाभार्थी महिलाओं क खातों में 375 करोड़ रु. की राशि का हस्तांतरण हो गया। महिलाओं से जुड़े 7 विभागों की 11 योजनाओं का क्रियान्वयन इस तरह से एक क्लिक में होने और बाड़मेर में कार्यक्रम के आयोजन से एक संदेश गया है। 26 मार्च को बीकानेर में राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन आयोजित कर 30 हजार किसानों तक 137 करोड रु. के अनुदान स्वीकृति के साथ ही किसानों और पशुपालकों से जुड़ी योजनाओं का लाभ पहुंचाने और सीधा संवाद कायम करने की बड़ी पहल की गई है। राजस्थान स्थापना के अवसर पर आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रमों की कडी में 27 मार्च को भरतपुर में अन्त्योदय कल्याण योजनाओं से जुड़े कार्यक्रम और 28 मार्च को भीलवाड़ा में विकास और सुशासन दिवस के रुप में आयोजन किया जाना है। इसी तरह से 29 मार्च को कोटा में व 30 मार्च व 31 मार्च को जयपुर में आयोजन होंगे। इस दौरान अनेक योजनाओं का लाभ लक्ष्यित वर्ग तक पहुंचाने के साथ ही नई नीतियां भी लाने का कार्यक्रम इस आयोजन को और अधिक उपादेय बनाएगा। यह साफ हो जाता है। इसी कड़ी में 31 मार्च को राइजिंग राजस्थान के करीब 3 लाख करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउण्ड ब्रेकिंग लॉजिस्टिक डेटा सेंटर और टैक्सटाइल पालिसी की घोषणा महत्वपूर्ण कार्य होंगे। दरअसल दिवस के आयोजन आयोजन प्रयोजनों के साथ महज औपचारिकता बन के रह जाना आम है। पर जिस तरह से इस बार कार्यक्रमों को इस तरह से अमली जामा पहनाया जा रहा है जिससे सीधे प्रदेशवासियों को लाभ प्राप्त हो सकेगा और सबसे खास यह कि राजस्थान स्थापना दिवस केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहकर प्रदेश के हर कोने में होने से इसका एक अलग ही संदेश जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की एक सोच इन आयोजनों के पीछे साफ दृष्टिगोचर होती है कि आयोजन सौद्‌देश्यपूर्ण और जनहित के हो। यही कारण है कि सात दिन तक आयोजन, दिन विशेष को वर्ग विशेष यथा महिला, किसान, युवा, निवेशक आदि आदि से जोड़कर आयोजनों से दिन विशेष को लक्ष्यित लाभार्थियों को लाभ का हस्तांतरण भी आसानी से संभव हो पाता है। कार्यक्रम के बहाने दिनों में होने वाले कार्य दिन विशेष को ही हो जाता है और यही प्रशासन की सफलता होती है।

दरअसल राजस्थान दिवस कार्यक्रम सात दिवस तक आयोजनों के पीछे मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की संवेदनशील, लोकहितकारी और दूरगामी सोच का परिणाम है। इससे निश्चित रुप से समूचे प्रदेश को लाभ होगा और नहीं भूलना चाहिये प्रक्रिया में चल रहे कार्य चंद समय में पूरे हो जाएंगे और आमजन में एक स्पष्ट संदेश जाएगा कि सरकार आमजन के हितों के प्रति पूरी तरह से गंभीर है। एक दूसरी बात जब आयोजन आमजन के बीच होते हैं तो भले ही फीड बेक के रुप में ही हो पर सरकार को कई नई जानकारियां और जनहित से जुड़े बिन्दुओं की जानकारी मिलती है जो समय आने पर सरकार की योजनाओं के निर्माण और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में उपयोगी सिद्ध हो जाती है। राजस्थान सरकार का राजस्थान दिवस के सात दिन के कार्यक्रमों के माध्यम से सीधे संवाद का परिणाम सकारात्मक ही जाएगा।

–डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

सभी सरकारों द्वारा किसानों के साथ इतना संगदिल व्यवहार क्यों?

महावीर सिंह

पाठकों की स्मृति में होगा कि 09 अगस्त 2020 में एक बड़ा किसान आन्दोलन प्रारम्भ हुआ था। तात्कालिक कारण था तीन ऐसे अध्यादेश लाना जिन्हें कालांतर में कृषि के तीन काले कानून के रूप में जाना गया। उसी आंदोलन की निरंतरता में अपनी मांगों को लेकर पंजाब-हरयाणा के किसान खनोरी व शम्भू बॉर्डर पर लगातार धरने पर बैठे थे। मुख्य मांग है कि के लिए कानून बनाए की उस से नीचे किसान का माल नहीं बिकेगा। अन्य मांगे भी थी किन्तु वाली मांग मुख्य थी। इन आंदोलनकारियों को भी अभी हाल ही में बड़ी बेरहमी से वहां से हटाया है। सही है किसान सरकार की ताकत के सामने धरना प्रदर्शन जारी नहीं रख सकते थे। पर प्रश्न तो यह है कि यदि यही करना था तो बैठने ही क्यों दिया? क्या यातायात सुचारू रहे इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जा सकती थी?

चलिए 2020-21 में लौटते है। अभी तक कोई स्पष्ठ रूप से नहीं बता पाया कि आखिर बिना हित धारकों से व्यापक चर्चा किये, बिना लोकसभा में विस्तार से चर्चा कराए, आनन-फानन में यह कानून किन सलाहकारों की सलाह पर लाए गए। आखिर में, 700 किसानों की शहादत के बाद, 19 नवम्बर 2021को, इन कानूनों को वापस लेने की घोषणा स्वयं प्रधान मंत्री जी को करनी पड़ी। कितना अच्छा होता यदि बिना इतने किसानों की शहादत के ही प्रधान मंत्रीजी, अन्फॉलन की शुरुआत में ही ऐसा कर लेते। यधपि जानकारों का मानना है कि कानून के अध्यादेश लाने के कारणों का तो पता नही किन्तु कानून वापस लेने का तात्कालिक कारण उत्तरप्रदेश विधान सभा चुनाव थे। ऐसा सामान्यत: सभी मानते हैं। भाजपा उत्तरप्रदेश चुनाव पहले की तुलना में कम सीटों के साथ चुनाव जीत गई। चुनाव परिणाम आते ही, अति उत्साही भाजपा समर्थकों नें कह दिया कि यह सरकार द्वारा किसान हित में लाए गए तीन कृषि कानूनों के प्रति समर्थन है अर्थात कानून किसानों के हित में थे। नोटबन्दी को भी चुनाव में सफलता के साथ ही जोड़ कर उसे उचित बताया था। नोटबन्दी के घोषित लक्ष्य, शायद ही प्राप्त हुए। कृषि कानूनों को तो स्वय सरकार नें ही वापस लिए। नोटबन्दी व कृषि कानूनों के बाद के चुनाव केवल इन्ही मुद्दों पर, हितधारकों यथा गरीब, गुरब्बे, छोटे व्यापारियों-उत्पादनकर्ताओं अथवा किसान मतदाताओं के बीच का ही जनमत संग्रह नहीं था। चुनाव में अनेक अन्य मद्दे व अन्य सभी वर्गों के मतदाता भी होते हैं। यथा मंहगाई, बेरोजगारी, शांतिव्यवस्था, जात-बिरादरी, कंडीडेट की व्यक्तिगत छवि व अन्य कई मुद्दे।

इसलिए चुनाव सफलता को केवल व केवल नोटबन्दी या किसानों हितों के साथ जोड़ना न्याय संगत नहीं। कोई सामान्य नागरिक आज तक यह तो स्वीकार करता नहीं कि यह दोनों कदम देश व जन हित में अत्यंत सुविचारित कदम थे। इसके विपरीत करोड़ों न करोड़ों देशवासियों नें इनसे हुआ कष्ट झेला है।

चलिए इन सब बातों हटे और किसान आंदोलन की बात करें। प्रधान मंत्री जी द्वारा तीन कृषि कानूनों को यह कहते हुए वापस लिया कि किसानों को इन कानूनों के दूरगामी लाभदायक प्रभावों से संतुष्ट नहीं कर पाए। इसके साथ ही किसान आंदोलनकारियों की सहित अन्य मांगों पर विचार करने व सुझाव देने के लिए एक कमेटी के गठन की घोषणा भी की थी।

पहले तो कमेटी का गठन ही 7 माह के न समझ में आने वाले विलम्ब के बाद हुआ। इस कमेटी में 18 सरकारी व 11 गैर सरकारी सदस्य नामित किए जाने थे। 11 गैर सरकारी सदस्यों में से मात्र तीन सदस्य आंदोलनकारी किसानों के संगठन संयुक्त किसान मोर्चे (SKM) द्वारा नामित किए जाने थे। गठन को लेकर, कमेटी के टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर स्पष्टता के अभाव में एख्श ने कोई सदस्य इस कनेटी में नहीं भेजे। यह भी स्पस्ट नही कि क्या कमेटी को श्एड्ढ की गारंटी के जनून का मसौदा बनाना भी था या नहीं??

चलिए एख्श ने कमेटी में सदस्य बनने के लिए नाम नहीं भेजे तो नहीं भेजे किन्तु कमेटी नें भी 2 वर्ष, 8 माह व्यतीत हो जाने के उपरांत भी श्एड्ढ पर कोई रिपोर्ट अभी तक नहीं सौंपी। इस मामले में तो "नो दिन चले अढ़ाई कोस वाली" कहावत चरितार्थ हुई है।

इस से यह भी सामान्य निष्कर्ष निकलता है कि सरकार MSP की गारंटी से सम्बंधित कानून पर, मात्र, किसानों को उलझाए रखना चाहती है किंतु ऐसा क़ानून लाने का कोई इरादा लगता नही, कम से कम शीघ्र तो कतई नहीं।

चलिए अब विचार करे कि MSP की गारंटी के कानून के पक्ष-विपक्ष पर विभिन्न पक्षों के क्या विचार, तर्क हैं:- सरकार के सलाहकार समूह द्वारा उसके विपक्ष में दिया जाने वाले तर्क है कि--- किसानों की समर्थन मूल्य वसलि सारी गज़लों को खरीदने के लिए 25 लाख करोड़ से अधिक की राशि का बजट प्रावधान चाहिए। अगर ऐसा किया जाता है तो अन्य कार्यों व मुख्यत: विकास कार्यों के लिए बजट बचेगा ही नहीं। दूसरा तर्क है कि ऐसा करने से कृषि उत्पादों के लिए प्रतिस्पर्धात्मक खुले बाजार की अवधारणा समाप्त हो जाएगी। यह किसानों के लिए हानिकारक होगी। उपभोक्ताओं को बहुत मंहगे कृषि उत्पाद खरीदने होंगे, मंहगाई से उपभोक्ता परेशान होंगे। किसानों की ओर से तर्क दिए जाते है कि मांग तो यह कि कृषि उत्पाद घोषित से नीचे नही बिके। बाजार स्वत: उसी ढंग से एडजस्ट होगा। किसान का कृषि उत्पाद लागत मूल्य से नीचे क्यों बिके? यदि कृषि उत्पाद मंहगे हो जाएंगे, उपभोक्ताओं पर महंगाई की मार पड़ेगी तो क्या किसान लागत से कम मूल्य पर उत्पाद बेच कर, स्वयं कर्जदार होकर, उपभोक्ताओं को सब्सिडाइज करे? यह काम ,चाहे तो, सरकार करे। क्या किसान उपभोक्ता नहीं? क्या किसान बाजार से हर तरह का आवश्यक समान नहीं खरीदता, तो क्या उसे उपयुक्त दामों पर माल मिले, यह चिंता तो कभी कोई क्यों व्यक्त नहीं करता? रही बात 25 लाख करोड़ या ऊपर कोई आंकड़ा हो, इतना बजट क्यों चाहिए, क्या सारा अनाज सरकार को खरीदना है? क्या बाजार के सारे कृषि उत्पाद व्यापारी अपनी दुकानों के ताला लगा देंगे?

किसानों की मांग है कि उनके कृषि उत्पादों का लागत मूल्य C2 डॉक्टर स्वामीनाथन द्वारा तय प्रक्रिया अपनाते हुए तय किया जाए। उन्ही द्वारा अनुशंसित 50% लाभ जोड़ कर MSP का निर्धारण किया जाए अर्थात कृषि उत्पाद का न्यूनतम बेचान मूल्य C2+50% हो और उस से नीचे न बिके न कोई खरीदे, यह कानून बने। सरकार किसानों से सौहार्द्र पूर्ण माहौल में बात कर 50% पर कोई दूसरा उचित विकल्प (40/30/25% का) बता सकती है किंतु यह कैसे नकारा जा सकता है कि किसान को उसके उत्पादों का लाभकारी मूल्य मिले। ओर सरकार को कानून बनाने का अधिकार है तो से बदलने, समाप्त करने का अधिकार भी तो है। यदि 1,2 साल बाद अनुभव बताए कि ऐसा कानून किसानों के लिए फायदेमंद नहीं या सरकार के लिए उसकी पालन असम्भव लगे तो आवश्यक संशोधन कर ले। किसान क्या करें? किसानों ने कई बर्र कई लंबे-लंबे आंदोलन कर लिए किन्तु अधिकांशत: उनकी मांगों पर थोड़ी बहुत सुनवाई होती है। तात्कालिक रूप से कुछ छोटी मोटी बातें मान कर, मुख्य मुद्दों को कमेटियों के हवाले कर दिया जाता है। हश्र वैसा ही होता है जैसे ऊपर वर्णित 2022 में गठित कमेटी कर रही है।

किसान वर्ग को समझना होगा कि उनकी समस्याओं का समाधान विधान सभाओं व लोक सभा के माध्यम से ही होना है। वहां उनकी मांगे सहानुभूति पूर्वक समझने वाले, प्रस्तुत कर सकने वाले प्रतिनिधियों का अभाव है। इन संस्थाओं में अपना सक्षम प्रतिनिधित्व बढ़ाएं जो पार्टिलाइन्स से हट कर किसान मुद्दों पर एकजुटता दिखाएं। वोट की ताकत का इस्तेमाल, जाती-धर्म से उपर उठ कर, वर्गहित की पहचान कर उसकी पूर्ति के लिए करें। किसान गेंहू, चावल, गन्ना आदि की अत्याधिक पानी कीआवश्यकता वाली खेती से हटे और ज्यादा फायदे वाली दूसरी फसलों की तरफ मुड़ें। दुग्ध व दुग्ध उत्पादों, मुर्गी पालन, मछलीपालन व अन्य इसी प्रकार की आय बढ़ाने वाली गातिविधियों व व्यवसाय को अपनाएं।

इसके लिए सरकार को भी कुछ कदम उठाने होंगे। गेंहू चावल आदि फसलों से किसान हटेंगे तो किसानों को नई फसलों की पूरी जानकारी समझने, उसे फार्म लेवल पर उतारने में समय लगेगा। इस बदलाव से प्रारम्भ में किसानों को आय में हानि होगी। सरकार किसानों की घटने वाली संभवित आय की क्षतिपूर्ति करे। यह किया जा सकता है। सरकार के पास यह आंकड़े होते है कि कौन किसान कितने क्षेत्रफल में गेंहू आदि बो रहा है और कितना कितना रकबा प्रतिवर्ष कम कर रहा है। उत्पादकता, बोए क्षेत्रफल व MSP के आधार पर आय में सम्भावित कमी की गणना की जा सकती है। सरकार 5,7 साल के लिए क्षतिपूर्ति करे। वैकल्पिक खेती के लिए योजनाये बनाए और उसी उत्साह से लागू की जाएं जैसा कि प्रथम हरित क्रांति के लिए योजनाएँ लागू की गई थी।

सभी किसान संगठन मिल कर विधिवत एक फेडरेशन बनाएं। दिल्ली और अन्य स्थानो पर किसान हितों पर सतत शोध के लिए कार्यालय स्थापित करें। अभी विश्व में एक नए प्रकार का युद्ध प्रारम्भ हुआ है-टैरिफ वार। किसान वर्ग के हित इस से कैसे दुष्प्रभावित हो सकते हैं, इस पर जन जागरण किया जाए। सरकार को शोध किए तथ्यों-तर्के के आधार पर समय समय पर ज्ञापन प्रस्तुत किए जाएं।

किसान फेडरेशन के इन कार्यालयों में विभिन्न फसलों-सब्जियों-फलों आदि के वैश्विक उत्पादन, देशवार उत्पादकता, संभवित भावों आदि आंकड़े एकत्रित किये जाएं, उनका विश्लेषण किया जाकर, लगातार किसानों को अवगत कराएं और राय देते रहे। इसी प्रकार के संगठन के माध्यम से समय समय पर किसानों-कृषि के मुद्दों, समस्याओं पर सरकार से सतत सम्पर्क व वार्ता करनी चाहिए जैसे विभिन्न औद्योगिक, व्यापारिक संगठन करते है। उनकी मांगे सटीक आंकड़ों, उचित सुझावों व निरन्तरता के साथ होती रहती है और सरकार मानती भी है।

किसान आंदोलन यदाकदा, महज संख्याबल प्रदर्शन नहीं बनें। उनकी ताकत आंकड़ों, सुझावों में झलकनी चाहिए। प्रदर्शन-धरने लगातार अल्पवधियों के लिए हो। लंबी अवधि के आंदोलनों से सामान्य जन को भी कठिनाईयां होती है और उनकी सहनुभूति किसानों से हट जाती है। इसी आधार पर सरकारें ऐसे आंदोलनों पर संचार माध्यमों के जरिये जन विरोधी का लेबल चस्पा लगवा देती हैं।

विभिन्न राजनीतिक दलों का MSP पर स्टैंड:-दोनों बड़े राजनीतिक दल MSP का गारंटी सम्बन्धी कानून बनाने की बात करते आए है किंतु व्यवहार में जब भी वे सत्ता में रहे है, ऐसा नहीं किया। स्वामीनाथन आयोग का गठन UPA 1 के शासनकाल में हुआ। UPA शासनकाल में ही आयोग की रिपोर्ट आ गई थी। कांग्रेस नें आयोग की बहुत सिफारिशों का क्रियान्वयन किया किन्तु C2+50% के अनुसार न MSP दी और न किसानों की मांग के अनुसार कानून ही बनाया। भाजपा का भी वैसा ही हाल है। जबानी जमाखर्च के अनुसार किसानों की आय को दोगुना करने का निरअर्थक बाजा बजाते रहते है। अन्य बातें यथा MSP पर ज्यादा उत्पाद खरीदें है, पहले की तुलना न में अधिक MSP दी है, बोलते रहते है किंतु MSP से नीचे खरीदी पर प्रतिबंध का कानून पर कुछ नहीं बोलते हैं। यह स्थिति तब है जब 1989 के बाद के सर्वशक्तिशाली प्रधान मंत्री नें, गुजरात के CM रहते हुए इस प्रकार के कानून की पुरजोर वकालत करते हुए तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह जी को पत्र लिख चुके है। लेखक की राय है कि तत्समय वर्तमानं PM नें अपने सर्वोत्तम सलाहकारों से राय मशविरा करके ही पत्र लिखा होगा तो अब क्या दिक्कत आ रही है?

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

राशिफल शुक्रवार 28 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 10:09 तक, शुक्ल योग रात्रि 2:07 तक, विष्टि करण प्रात: 9:30 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:48 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा प्रात: 9:30 तक है। शुक्र बाल्यत्व रात्रि 9:15 पर समाप्त होगा। आज पंचक है। महापात योग दिन 1:05 से रात्रि 4:32 तक है। आज जुमातुलविदा और शबे कदर (मु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:58 तक, लाभ-अमृत 7:58 से 11:01 तक, शुभ 12:32 से 2:04 तक, चर 5:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:26, सूर्यास्त 6:38

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को आतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक मामलों में उचित पराशर्म मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

वृश्चिक

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 142 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 28 मार्च, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'ममता बनर्जी, बाँग्लादेश व म्याँमार के घुसपैठियों को मदद कर रही हैं, भारत में प्रवेश के लिए'

संसद में फॉरेनर्स विधेयक पर बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए ममता बनर्जी, देश की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही हैं

-अंजय रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मार्च। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वही दोहराया है, जो जगजाहिर है।

विदेशियों से संबंधित विधेयक पर अपने जवाब में उन्होंने शिकायत की है कि बंगाल सरकार ने बाँग्लादेश से आये घुसपैठियों तथा म्याँमार से आये रोहिंग्याओं को पहचान पत्र प्रदान कर दिये हैं। पहचान पत्र के साथ अवैध रूप से आये ये लोग पूरे देश में फैलते जा रहे हैं। बंगाल सरकार का व्यवहार पूरे देश की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है तथा आम जनता की सुरक्षा के मामले में समझौता कर रहा है। शाह ने कहा कि यह विदेशी विधेयक (फॉरेनर्स बिल) लागू होने के बाद, देश में प्रवेश करने वाले विदेशियों की कई स्तरों पर मॉनिटरिंग का तंत्र उपलब्ध करायेगा। यह विधेयक सुरक्षा-संबंधी प्रयोजनों के लिए आवश्यक खुफिया तंत्र भी उपलब्ध करायेगा।

अमित शाह ने वही बात कही है, जो हमेशा से ज्ञात रही है। बंगाल सरकार राज्य में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए बाँग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के अवैध प्रवेश को प्रोत्साहित कर रही है। त्वरित लाभ के लिए यह जो किया जा रहा है, राष्ट्र-हित के साथ घृणित समझौता है।

शाह ने कहा कि बंगाल सरकार ने सीमा पर बाड़ के लिए जमीन आवंटित नहीं की है। जहाँ भी बॉर्डर फैन्सिंग का काम चल रहा था, वहाँ तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने विरोध किया था और काम रूकवा दिया था। इसका नतीजा यह हुआ कि आज भारत-बाँग्लादेश सरहद पर कहीं से भी घुसपैठ संभव है।

लोग दण्ड भय मुक्त होकर बंगाल में आ रहे हैं तथा सीमा से लगे इस राज्य की जनसांख्यिकीय प्रकृति (डैमोग्रफिक नेचर) बदल रही है। इससे स्थानीय बंगालियों के हितों को नुकसान पहुँच रहा है, क्योंकि घुसपैठिये, राज्य सरकार तथा तृणमूल कांग्रेस के गुन्डों की मदद से, यहाँ रहने वाले बंगालियों की जमीन छीनकर अवैध रूप से आने वाले घुसपैठियों को बसाने में उनकी मदद कर रहे हैं।

अवैध घुसपैठियों से अपना वोट बैंक बनाने और बढ़ाने की यही रणनीति राज्य की कम्यूनिस्ट सरकारों ने अपनायी थी। वामपंथी मोर्चे के 34 साल के शासनकाल में, कम्यूनिस्टों ने अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया था।

विडम्बना देखिये, इन्हीं ममता बनर्जी, जब वे विपक्षी नेता थीं, ने अवैध घुसपैठियों को चुपचाप आने देने की वामपंथी मोर्चे की चाल का जोरदार विरोध किया था। उन्होंने उस समय बंगाल में हो रहे अवैध प्रवेश का संसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शाह के अनुसार, ममता बनर्जी इन घुसपैठियों को अस्थाई रुप से रहने व छुपने के लिये स्थान देती हैं तथा फिर आइडैंटिटी कार्ड (आधार कार्ड) मुहैया कराकर देश भर में फैलने का मौका देती हैं।
- ''यह वोट बैंक बढ़ाने की रीति-नीति चौंतीस साल, वामपंथी सरकार ने भी चलाई थी तथा एक विपक्ष की नेता के रूप में ममता बनर्जी संसद में जमकर विरोध करने में सबसे आगे रहती थीं, पर, अब सत्ता में आने के बाद ममता बनर्जी स्वयं उस रीति-नीति का अनुसरण कर रही हैं।''
- शाह ने इसी संदर्भ में संसद में यह भी कहा कि ममता बनर्जी की सरकार, सीमा पर फैन्सिंग कराने में भी पूरी बाधाएं खड़ी करती हैं। पहले तो फैन्सिंग के लिए भूमि नहीं दी जाती, अगर किसी तरह फैन्सिंग का काम शुरु भी हो तो तृणमूल के बाहुबली, भारी विरोध करते हैं और फैन्सिंग का काम रोकना पड़ता है।

रीट पेपर लीक की जाँच सीबीआई को नहीं दी जाएगी

जयपुर, 27 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती के लिए आयोजित रीट-2021 परीक्षा के पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई को सौंपने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर याचिकाओं को निस्तारित कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जनहित याचिका सहित अन्य याचिकाओं को निस्तारित करते हुए ये आदेश दिए।

याचिकाओं में कहा गया था कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। एसओजी ने पेपर लीक की बात मानते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। पेपर लीक में बड़े लोगों का हाथ होने की आशंका है। ऐसे में मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए। जिसके जवाब में राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि उक्त परीक्षा को रद्द कर दोबारा परीक्षा करवाई जा चुकी है, वहीं एसओजी ने भी मामले में जांच की है। ऐसे में याचिकाओं को निस्तारित किया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान हाई कोर्ट ने रीट पेपर लीक की जाँच सीबीआई से करवाने की मांग करने वाली एबीवीपी व अन्य की याचिका खारिज करते हुए यह आदेश दिया।

पद्मेश मिश्रा की ए.ए.जी. पद पर नियुक्ति के विरुद्ध अपील दायर

हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश प्रमिल कुमार माथुर ने इस मामले की अगली तारीख 4 अप्रैल तय की है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 27 मार्च। राजस्थान हाई कोर्ट में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एडीशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.), पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति के खिलाफ अपील दायर की गई है। इस अपील में अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने हाईकोर्ट के एकल पीठ द्वारा 4 फरवरी को दिए गए आदेश को चुनौती दी है, जिसके तहत अधिवक्ता पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति को उचित ठहराया गया था। जैसा कि विदित है कि राज्य सरकार ने पद्मेश मिश्रा को सुप्रीम कोर्ट में पैरवी के लिए नियुक्त किया था।

इस अपील की पहली सुनवाई मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और न्यायाधीश भुवन गोयल के समक्ष 3 मार्च को हुई थी, परन्तु मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले को सुनवाई के लिए किसी अन्य खण्डपीठ को सौंपे जाने के आदेश दिए थे और उन्होंने स्वयं इस मामले को सुनने के लिए असमर्थता बताई थी।

यह मामला न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश प्रमिल कुमार माथुर की खण्डपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ था। अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता सुनील समदड़िया को आदेश दिए कि वे अपील की प्रति राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता और ए.ए.जी. भरत व्यास को सौंपें। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 4 अप्रेल को तय की है।

जैसा कि विदित है, इस मामले में याचिकाकर्ता का कहना है कि राज्य सरकार ने अपनी वादनीति 2018 में उचित और उपयुक्त संशोधन नहीं किए और नीति की अवहेलना करते हुए पद्मेश मिश्रा को ए.ए.जी. घोषित कर दिया।

याचिकाकर्ता का कहना है कि वादनीति 2011 में ए.ए.जी. घोषित करने के लिए न्यूनतम अनुभव के संबंध में कोई मापदंड निर्धारित नहीं था, केवल यह कहा गया था कि सरकारी वकील बनने के लिए 7 वर्ष का अनुभव अनिवार्य है, परन्तु वर्ष 2018 की वादनीति के तहत, ए.ए.जी. की नियुक्ति के लिए अधिवक्ता के पास कम से कम 10 साल का अनुभव होना अनिवार्य है, जो पद्मेश मिश्रा के पास नहीं है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि पद्मेश मिश्रा के सुप्रीम कोर्ट में पैनल लॉयर नियुक्त होने के तीन दिन के भीतर राजस्थान सरकार ने वादनीति में संशोधन किया (जो बिलकुल भी स्पष्ट और नीतिगत नहीं है) और फिर पद्मेश मिश्रा को संशोधित नियम के तहत ए.ए.जी. घोषित कर दिया। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह संशोधन राज्य सरकार को किसी भी व्यक्ति विशेष को ए.ए.जी. घोषित करने का अधिकार देता है, परन्तु यह संशोधन नीति की अन्य धाराओं के विरूद्ध है, जिसमें ए.ए.जी. के नियुक्ति के लिए न्यूनतम अनुभव के मापदण्ड दिए गए हैं।

याचिकाकर्ता का कहना है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जैसा कि विदित है, इस मामले में याचिकाकर्ता सुनील समदड़िया का कहना है कि राज्य सरकार ने अपनी वादनीति 2018 में उचित और उपयुक्त संशोधन नहीं किए और नीति की अवहेलना करते हुए पद्मेश मिश्रा को ए.ए.जी. घोषित कर दिया।
- नियुक्ति के लिए अधिवक्ता को कम से कम 10 साल का अनुभव होना अनिवार्य बताया गया है, जो पद्मेश मिश्रा के पास नहीं है।

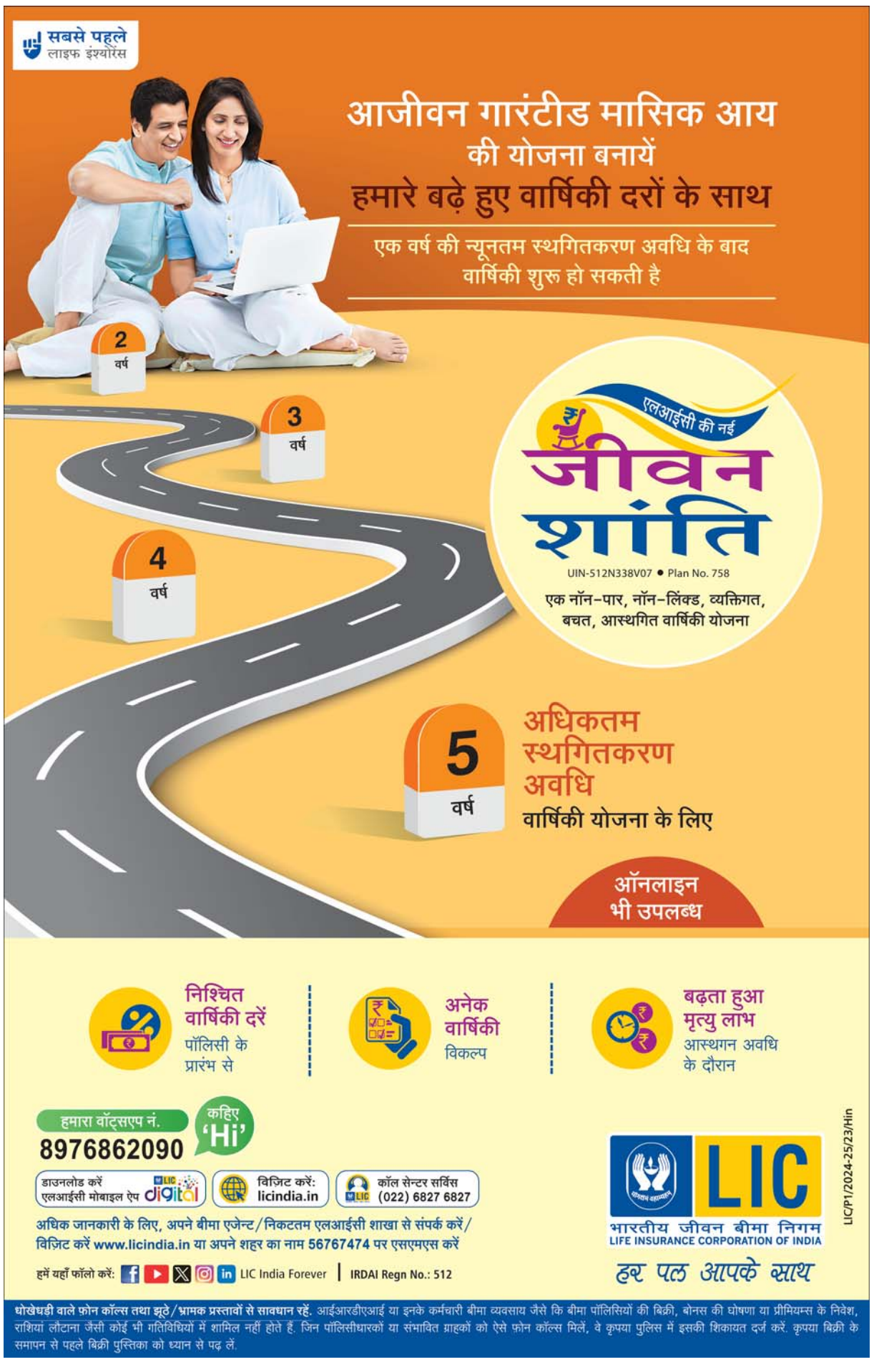

अवैध खनन का विरोध करने पर खनन माफिया ने ग्रामीणों को धमकाया

आक्रोशित ग्रामीणों ने मांडलगढ़ में पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन देकर न्याय की गुहार लगाई

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ में बिजौलियां थाना क्षेत्र के नयानगर में ग्रामीणों पर खनन माफिया और पुलिस की दबंगई का मामला सामने आया है। खनन माफिया और पुलिस पर महिलाओं व ग्रामीणों ने मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने मांडलगढ़ पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और मांडलगढ़ थाना प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस जतिन जैन व डीएसपी बाबूलाल विश्नोई को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

नयानगर में अवैध खनन बन्द करने की मांग लेकर पहुंचे आक्रोशित ग्रामीणों ने डीएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

- ज्ञापन में खनन माफिया और पुलिस पर महिलाओं व ग्रामीणों ने मारपीट का आरोप लगाया

ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया कि नया नगर की सरकारी भूमि खसरा नम्बर 124 के करीब पांच बीघा हिस्से में नागपाल बंजारा और इसके गिरोह के लोग बीते 2 माह से करोड़ों रूपये के सेंड स्टोन का अवैध खनन चोरी कर लिया है, जब ग्रामीणों ने उक्त अवैध खनन की प्रशासन के अधिकारियों और पुलिस को शिकायत की तो खनन माफिया के लोगों ने ग्रामीणों को हथियारों के दम पर गांव की महिलाओं को जातिसूचक गाली-गलौच की और कुछ युवकों व ग्रामीणों के साथ मारपीट कर धमकाया गया। ज्ञापन में बताया कि खनन माफिया के इशारे पर बिजौलियां थाने के पुलिसकर्मियों ने गांव के कई लोगों को जबरन थाने में लाकर बंद कर दिया, पुलिस ने शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाकर धमकाया।

ग्रामीणों ने बताया कि अवैध खनन की शिकायत बिजौलियां उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और खनिज विभाग को कई बार की गई, लेकिन आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जबकि आज से तीन साल पूर्व इसी सरकारी भूमि में खनिज विभाग ने अवैध खनन का पंचनामा बनाया था।

नया नगर की सरकारी भूमि में खनन नियमों को ताक में रखकर काफी गहराई तक धड़ल्ले से सेंडस्टोन का अवैध खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन माफिया को राजनीतिक संरक्षण होने के कारण पुलिस और प्रशासन कार्रवाई करने से कतरा रहा है। इस मामले को लेकर नयानगर की महिलाओं में मोहनी देवी भील, नंदू देवी भील, गुलाबी देवी भील, प्रेम देवी भील व लादी बाई भील ने प्रोबेशनर आईपीएस जतिन जैन को नागपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने ओर न्याय की गुहार लगाई है। उधर खनिज विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बताया कि ग्रामीणों की शिकायत मिलने पर मौक़े पर जाकर वैध या अवैध खनन की जांच की जाएगी।

बिजौलियां थानाधिकारी ने बताया कि नागपाल बंजारा वैध खदान पर कुछ युवकों ने जाकर हंगामा करने की शिकायत पर कुछ चिन्हित युवकों को पूछताछ के लिए थाने लाया गया था और कुछ युवकों को पाबंद भी किया गया है। शिकायत में पुलिस पर लगाए गए आरोप निराधार हैं।

भारतीय जाली मुद्रा सप्लाई मामले में एक गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। भारतीय जाली नोट सप्लाई करने के मामले में पुलिस थाना जोबनेर ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए युवक से पुलिस ने 100 रुपए के 21 जाली नोट भी जब्त किए हैं।

थाना अधिकारी जोबनेर सुहेल खान के नेतृत्व में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। आनन्द शर्मा उप महानिरीक्षक पुलिस सह-पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने बताया है कि जिले में अवैध गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ व भारतीय जाली नोट छापने वाले गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने हेतु सभी पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए गए थे। कार्रवाई करने हेतु जिले के समस्त थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया था। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति जो अभी आसलपुर से पहले एक दुकानदार से 100 रुपये के जाली नोट का सामान खरीद कर आसलपुर फाटक की तरफ पैदल भाग गया है, जिसके पास काफी मात्रा में जाली नोट हो सकते हैं। सूचना पर पुलिस टीम आसलपुर फाटक से करीब 100-200 मीटर पहले जोबनेर रोड़ पर पंहुची और नाकाबंदी कर एक व्यक्ति अशोक कुमार बलाई पुत्र स्व. श्रवणलाल बलाई निवासी लालासर बावड़ी थाना रेनवाल जिला जयपुर के कब्जे से 100-100 रुपये के 21 भारतीय जाली नोट जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया और इसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है। आरोपी ने इससे पूर्व भारतीय जाली मुद्रा किन-किन व्यक्तियों को, किन-किन स्थानों पर और कितनी मात्रा में कूटरचित भारतीय मुद्रा सप्लाई की है। साथ ही इसके गिरोह में अन्य कौन-कौन अपराधी शामिल हैं, इस संबंध में भी पूछताछ जारी है।

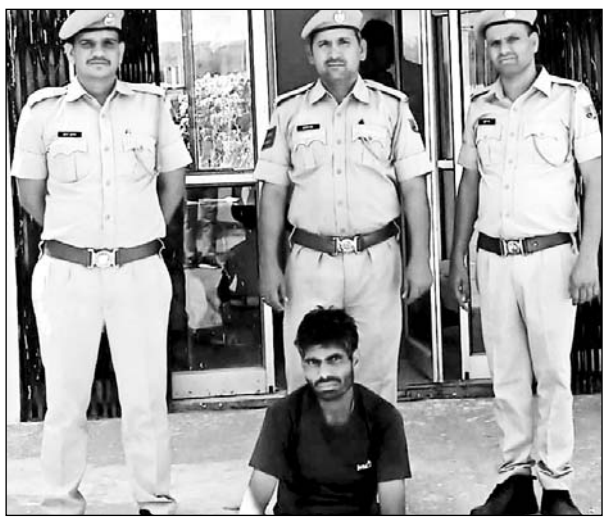

जोबनेर थाना पुलिस ने भारतीय जाली नोट सप्लाई करने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 100-100 रुपये के 21 जाली नोट जब्त किये

पावटा प्रागपुरा नगर पालिका का विस्तार होगा

पावटा, (निसं)। कोटपुतली-बहरोड़ जिले की पावटा प्रागपुरा नगर पालिका का विस्तार किया जा रहा है, जिसके तहत राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए वर्तमान सीमा क्षेत्र में छह ग्राम पंचायतों को शामिल करने की अधिसूचना जारी हुई है। इस निर्णय के बाद पावटा प्रागपुरा नगर पालिका का क्षेत्रफल बढ़ेगा और अधिक गांवों को शहरी सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

- वर्तमान सीमा क्षेत्र में छह ग्राम पंचायतों को शामिल करने की अधिसूचना जारी हुई
- नगर पालिका क्षेत्र में विस्तार के बाद इन गांवों में लोगों को शहरी विकास योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा

नगरपालिका के नवीन सीमा विस्तार में ग्राम पंचायत जोधपुरा का राजस्व गांव जोधपुरा, कल्याणपुरा, किरारोड गांव का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल होगा। ग्राम पंचायत बड़नगर के अंतर्गत राजस्व गांव बड़नगर, अम्बेडकर नगर, अवधपुरी, दूल्हेसिंह का बास का संपूर्ण सीमा क्षेत्र आएगा। ग्राम पंचायत लाडाकाबास इसमें राजस्व गांव लाडाकाबास, अहीर की बावड़ी, झीडागढ़ का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल किया जाएगा। ग्राम पंचायत खेलना इसके अंतर्गत राजस्व गांव खेलना, गंगुपुरा का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल होगा। वही ग्राम पंचायत भांकरी का राजस्व ग्राम भांकरी का संपूर्ण सीमा क्षेत्र, ग्राम पंचायत चौबाला का राजस्व ग्राम दादाकाबास का संपूर्ण सीमा क्षेत्र, ग्राम पंचायत वीर तेजाजी नगर का राजस्व ग्राम भोजाकाबास का संपूर्ण सीमा क्षेत्र शामिल होगा। नगर पालिका क्षेत्र में विस्तार के बाद इन गांवों में शहरी विकास योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। स्वच्छता, जल निकासी, सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा। इसके अलावा, इन क्षेत्रों में मकानों, व्यावसायिक परिसरों और अन्य बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास होगा।

प्रशासन का कहना है कि नगर पालिका क्षेत्र के विस्तार से क्षेत्र के लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। विस्तार के बाद नए क्षेत्रों में नगरपालिका की ओर से विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका का विस्तार कर छह ग्राम पंचायतों को शामिल करने पर जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने विधायक कुलदीप धनकड का आभार जताया।

नये शिक्षा सत्र में चार हजार स्कूलों को प्रिंसिपल मिलेंगे

बीकानेर, (निसं)। नया शिक्षा सत्र शुरू होने के साथ ही राजस्थान के चार हजार स्कूलों को प्रिंसिपल मिल जाएंगे। इस पोस्टिंग के साथ ही बड़ी संख्या में प्रिंसिपल इधर-उधर हो सकते हैं। फिलहाल रिक्त पदों पर काउंसलिंग करने के लिए शिक्षा विभाग ने मेरिट जारी करते हुए इस पर आपत्ति मांगी है। इसके बाद काउंसलिंग कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

- इस पोस्टिंग के साथ ही बड़ी संख्या में प्रिंसिपल इधर-उधर हो सकते हैं

जानकारी के अनुसार साल 2012-13 से साल 2021-22 तक के रिक्त पदों पर शिक्षा विभाग ने शेष रही पदोन्नति कर दी है। विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में इन 10 सालों की रिव्यू डीपीसी की गई। इसके अलावा साल 2023-24 की मूल डीपीसी करते हुए चार हजार 55 प्रिंसिपल का चयन किया गया है। पूर्व में पदोन्नति के साथ ही इन प्रिंसिपल को उसी स्कूल में पदस्थापित कर दिया गया था, जहां ये पहले से काम कर रहे थे। स्कूलों में पढ़ाई को प्रभावित होने से बचाने के लिए एकबारगी ऐसा पदस्थापन हुआ था। अब विभागीय नियमों के तहत ऑनलाइन काउंसलिंग की जाएगी। शिक्षा विभाग ने 28 मार्च तक मेरिट पर आपत्ति मांगी है। इसके बाद ऑनलाइन काउंसलिंग कार्यक्रम जारी किया जाएगा। सभी चार हजार 55 प्रिंसिपल को अपनी इच्छानुसार स्कूल में जाने का अवसर दिया जाएगा। हर स्कूल में एक प्रिंसिपल होता है। ऐसे में एक ही स्कूल के लिए दो या इससे ज्यादा आवेदन होने पर मेरिट नियमों के तहत पोस्टिंग दी जाएगी। हर प्रिंसिपल को अपने निर्धारित विकल्प देने होंगे। हर बार की तरह दिव्यांग और महिला कैंडिडेट्स को प्राथमिकता देते हुए शहर या शहर के आस-पास पोस्टिंग मिलेगी। रिव्यू डीपीसी में कुछ प्रिंसिपल तो अब रिटायर हो चुके हैं। ऐसे में उनको काउंसलिंग में शामिल नहीं किया जाएगा।

रिफाइनरी में तीन दिन से तेंदुए की दहशत

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा की रिफाइनरी में पिछले तीन दिनों से तेंदुए की दहशत बनी हुई है। वन विभाग की कई टीमें लगातार प्रयास कर रही है कि तेंदुए को सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से पकड़कर एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके। मंगलवार शाम चार बजे के बाद से तेंदुए का लगातार मूवमेंट देखा गया है। कई बार तेंदुआ सीसीटीवी में भी कैद हुआ है। तेंदुआ मशीनरी और स्ट्रक्चर के पीछे लुकाछिपी कर रहा है, जिससे उसे पकड़ना मुश्किल हो रहा है। जोधपुर, बालोतरा और बाडमेर की पांच टीमें मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तेंदुए को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द ही तेंदुए को सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से पकड़ लिया जाएगा और उसे एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाएगा।

विवाहिता की मौत

निवाई, (निसं)। गांव थली की ढाणी सीदड़ा में एक विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। सूचना पर थाना अधिकारी रामजीलाल बैरवा पुलिस जाप्ते के साथ ढाणी में पहुंचे और विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर एंबुलेंस की सहायता से मृतका के शव को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया।

थानाधिकारी बैरवा ने बताया कि मृतका की पहचान प्रियंका (23) पत्नी पप्पूलाल मीणा के रूप में हुई। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि मृतका के पिता गिर्राज मीणा निवासी रामनगर खेड़ी तहसील रामगढ़, जिला दौसा ने मामला दर्ज करवाया कि वर्ष 2022 में उसकी पुत्री का विवाह गांव थली की ढाणी सीदड़ा निवासी पप्पूलाल मीणा के साथ हुआ था।

कई वर्षों से आश्रम में रह रहे दो लावारिस बांग्लादेशी निकले

सूरतगढ़, (कासं)। रेलवे स्टेशन पर सात साल और तीन साल पहले मिले दो लावारिस और मंद्बुद्धि व्यक्ति जांच में बांग्लादेशी निकले। इन दोनों को एक आश्रम में रखा गया था। दोनों ने बातों ही बातों में अपने गांव का नाम और अन्य जानकारी दी, जिसके बाद आश्रम के सेवादारों ने बुधवार शाम को परिजनों से कॉन्टैक्ट करने के लिए पता गूगल मैप में डाला तो दोनों की लोकेशन बांग्लादेश में निकली। सेवादारों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस और इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने दोनों से पूछताछ की और बाद में श्रीगंगानगर मुख्यालय पर जेआईसी को सौंप दिया।

- पुलिस और इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने दोनों से पूछताछ की

सबइंस्पेक्टर सोहन लाल ने बताया कि सूरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर वर्ष 2018 में लावारिस हालत में मिले एक व्यक्ति को नेशनल हाईवे-62 स्थित पालीवाला के हरप्रभ आश्रम में छोड़ा गया था। इसी तरह वर्ष 2022 में भी रेलवे स्टेशन पर लावारिस हालत में मिले एक और व्यक्ति को भी आश्रम में भिजवाया गया था। आश्रम में रहते हुए दोनों की सेवादारों के साथ अच्छी जान-पहचान हो गई। ऐसे में सेवादारों ने बातों-बातों में गांव और परिवार की बात की तो दोनों ने अपने गांव के नाम बता दिए। सेवादारों ने दोनों को उनके परिजनों को सौंपने के लिए जब गूगल पर उनके गांव के नाम सर्च किए तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। जिन गांवों के नाम दोनों लावारिसों ने बताए उनकी लोकेशन बांग्लादेश में होने की जानकारी मिली। इस पर आश्रम के सेवादारों ने मामले से सूरतगढ़ सदर थाना पुलिस को अवगत करवाया, जिस पर पुलिस जाप्ता तुरंत ही मौके पर पहुंच गया और दोनों को पूछताछ के लिए थाने ले आया।

पूछताछ में एक ने अपना नाम उज्जवल तुहीन खान (30) पुत्र बादल खान बताया। उसने अपने गांव का नाम सोनपुर, जिला पीरिसपुर बताया। दूसरे ने अपनी पहचान अमीरुल इस्लाम (40) पुत्र पीसू मोहम्मद बताई। उसने बताया कि वह मोहतपुर गांव के जिला ठाकुर का रहने वाला है। दोनों की जब लोकेशन गूगल पर डाली तो लोकेशन बांग्लादेश की मिली। पुलिस ने बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद उन्हें जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर में गुप्तचर एजेंसियों के हवाले कर दिया गया है। जहां दोनों से पूछताछ जारी है। इसके बाद इन्हें आगे डिपोर्टेशन सेंटर भेजा जा सकता है। एसपी गौरव यादव ने कहा- पूछताछ में प्रथम दृष्टया इनके बांग्लादेशी होने की जानकारी सामने आई है। उनके बताए गए नाम पते की उच्चाधिकारियों के स्तर पर आगे जांच करवाई जाएगी। इंटेलिजेंस पुलिस भी इनसे पूछताछ में जुटी है। पूरी पूछताछ के बाद ही मामले में कुछ कहा जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल आज भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार 28 मार्च को भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा भीलवाड़ा में राज्य सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सुशासन दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दौरे की तैयारियों का अंतिम जायजा लेने हेतु जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु ने गुरुवार को चित्रकूट धाम में कार्यक्रम स्थल व एमएलवी कॉलेज में बनाए जा रहे अस्थाई हेलीपैड स्थल का जायजा लिया एवं तैयारियों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के पश्चात जिला कलेक्टर ने माणिक्यलाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय में बनाये जा रहे हेलीपैड स्थल का भी जायजा लिया। राज्य स्तरीय सुशासन दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शर्मा के साथ ही विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री प्रेमचंद बैरवा, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि व अधिकारी भी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे, साथ ही विभिन्न योजनाओं के शुभारंभ और लाभार्थी लाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान महापौर राकेश पाठक, प्रशांत मेवाड़ा, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव, अति. कलेक्टर ओमप्रकाश मेहरा, ए. एसपी पारस, नगर विकास न्यास सचिव ललित गोयल, जिला परिषद सीईओ चंद्रभानसिंह, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान युवा बोर्ड
(युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार), सवाई मानसिंह स्टेडियम, प्रताप नगर, जयपुर टेलीफैक्स 0141-2741489

क्रमांक : प. 1(37)रायुबो/2022/पार्ट II-2025 जयपुर, दिनांक :- 26/03/2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 08/2024-25 भोजन एवं आवास व्यवस्था

राज्य सरकार के निर्णय के अध्ययधीन एक वर्ष की अवधि के लिए राजस्थान प्रदेश के 100 युवक-युवतियों के लिए दिल्ली में विभिन्न कोचिंग एवं कैरियर काउन्सलिंग हेतु युवाओं को भोजन एवं आवास की वैकल्पिक सुविधा देने हेतु दक्ष, प्रतिष्ठित व अनुभवी फर्म/संस्था/कम्पनी से निर्धारित प्रपत्र में अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 08/2024-25, दिनांक 26.03.2025 से 07.04.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा संबंधित पूर्ण विवरण राजस्थान युवा बोर्ड, जयपुर की वेबसाईट www.youthboard.rajasthan.gov.in एवं लोक उपापन पार्टल https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code - RYB2425A0008, UBN No. - RYB2425SLOB00008

राज.संवाद/सी/24/14052 सदस्य सचिव

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI
PH.NO. 07464-250219 E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for construction and commissioning of handpump works under phed division karauli are invited from interested bidders up to 02.04.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE-PHE2425A5485

S.NO.	NIT NO.	UBN
1	170/2024-25	PHE2425WSOB12001
2	171/2024-25	PHE2425WSOB12002
01	Total work	02
02	Total Estimate Cost	100.00 Lac
03	Bid submission end date	01.04.2025 up to 06.00 PM
04	Bid opening date	02.04.2025 at 11.00 AM

(Vijay Kumar Meena)
Executive Engineer
PHED Division Karauli

DIPR/C/4318/2025

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 09) /2025/ई-10649

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या- (ERCC/RCC 09)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसो व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क डी.एम.एफ.टी. आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 26 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/4275/2025 (दीपक तंवर) निदेशक

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान
आबकारी भवन2-गानियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001
क्रमांक-F.32(B)(1)((After Policy-2025-24)EX/L/2025-04359/1603 दिनांक-27.03.2025

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु संशोधित ई-निविदा आमंत्रण सूचना

इस कार्यालय की समसंख्यक विज्ञप्ति पत्रांक 1592 दिनांक 25.03.2025 में उल्लेखित सारणी के क्रम संख्या 1 से 3 तक में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाइन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 26.03.2025 दोपहर 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक-28.03.2025 दोपहर 3.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक समय व स्थान	दिनांक 28.03.2025 को दोपहर 4.00 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय

वर्ष 2025-26 हेतु मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र से संबंधित समस्त जानकारी के लिए विभागीय वेबसाइट https://excise.rajasthan.gov.in का अवलोकन करें। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

NIB-EXC2425A0201, UBN- EXC2425GLOB00191
अन्य सभी शर्तें यथावत रहेगी

(शिवप्रसाद नकाते)
आबकारी आयुक्त, राजस्थान

DIPR/C/4443/2025

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
PUBLIC HELTH ENGINEERING DEPARTMENT
CIRCLE BEAWAR (KDISTRICT-BEAWARA), EMAIL:sephedbeawar@gmail.com

No.SE/CIRCLE BWR/2024-25/7540 **ONLIE NOTICE INVITING FOR TENDERS** Dated: 12.03.2025

Online tenders are invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from enlisted contractors with to PHED Rajasthan and meeting eligibiliy criteria. The tender document can be downloaded from the web site http://eproc.rajasthan.gov.in in details od the tender notification and prequalification criteria can also seen in NIT exhibited on web site http://sppp.rajasthan.gov.in

NIT No.	Work Description	Estimated Cost (Rs.in Lacs)	Earnest Money (in Rs.) in favour of tender inviting authority	Tender Cost (in Rs.)in favour of tender inviting authority	Processing charges (in Rs) in favour of MD RISL, Jaipur	Period of Contract
24/24-25	Work of Providing Laying, Jointing and commissioning of Various size of Di/HDPE PIPE Line with allied works for various wss under rurisdiction of PHED Division Beawar on Annual Rate Contract Basis	200.00	4,00,000/-	2000/-	2000/-	12 Month
निविदा प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथी		12.03.2025 से 31.03.2025 सायं 03.00 बजे तक				
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथी एवं समय		12.03.2025 से 31.03.2025 सायं 03.00 बजे तक				
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथी एवं समय		31.03.2025 सायं 03.00 बजे तक				
प्री-क्वालीफिकेशन बिड खोलने की तिथी एवं समय		01.04.2025 दोपहर 02.00 बजे तक				

Earnest Money/Bid Security, Tender Document Cost, and RISL Charges shall be deposited through e-Challan over e-GRASS website online in Favour of Executive Engineer PHED Division Beawar (Office ID-11132) for NIT.

S.No.	Details	Budget Head	Deposited through online e-Challan over website e-GRASS
1	Earnest Money	8443-00-108-00-00 लोक निर्माण विभाग	In Favour of Executive Engineer, PHED Division Beawar
2	Tender Document Cost	0075-00-800-52-01 निविदा शुल्क की प्राप्तियां	(Office ID-11132)

DIPR/C/4278/2025 (SAMPATLAL JEENGER) SUPERINTENDING ENGINEER, PHED CIRCLE BEAWAR

हरियाणा निर्मित शराब बरामद, एक गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुरूवार को 17 कार्टन हरियाणा निर्मित शराब सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

राजगढ़ थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देशन के फलस्वरूप अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़ किशोरी लाल आरपीएस, सहायक पुलिस उप अधीक्षक राजगढ़ निश्चय प्रसाद एम आईपीएस के निकटतम सुपरविजन में थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग पुलिस निरीक्षक थाना अधिकारी पुलिस थाना राजगढ़ द्वारा मय टीम के आरोपी सुमेर सिंह पुत्र हीरा राम जाट निवासी भामासी पीएस राजगढ़ (चूरू) के घर पर छिपाई हुये 17 कार्टन में भरे 624 पव्वे हॉफ माल्टा देशी शराब हरियाणा निर्मित बरामद कर आरोपी सुमेर सिंह को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है। कार्यवाही में राजगढ़ थाना पुलिस टीम में राजेश कुमार सिहाग थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक, कुलदीप कांस्टेबल, सुरेश कुमार कांस्टेबल, कर्मपाल कांस्टेबल, इंद्र कुमार कांस्टेबल व अनिता महिला कांस्टेबल आदि शामिल रहे। कार्यवाही में सुरेश कुमार कांस्टेबल व कर्मपाल कांस्टेबल की विशेष भूमिका रही।

राजगढ़ थाना पुलिस ने गांव भामासी के अवैध शराब सहित एक जने को गिरफ्तार किया।

केमिकल चोरी और बिक्री मामले में दो जने गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। दुधवा खारा थाना पुलिस ने एजीटीएफ अपराध शाखा जयपुर टीम के निर्देशन पर सादुलपुर चूरू एनएच 52 पर स्थित होटल के पास बाड़े में केमिकल चोरी करने और बिक्री करने के आरोप में गुरूवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा केमिकल से भरे 54 प्लास्टिक ड्रम जब्त कर दो लाख से अधिक की नगद राशि भी बरामद की है। इसके अलावा पुलिस ने एक टैंकर सहित इलेक्ट्रॉनिक कांटा ज्वलनशील केमिकल निकालने के उपकरण पाइप मोटर भी जब्त की है।

- केमिकल से भरे 54 ड्रमों सहित टैंकर जब्त, दो लाख से अधिक की नगदी बरामद की

थाना अधिकारी हंसराज गुर्जर ने बताया कि केमिकल मामले पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली कि सादुलपुर-चूरू हाईवे पर एक होटल के पास एक बाड़े में अवैध ज्वलनशील पदार्थ केमिकल का कारोबार हो रहा है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि एक केमिकल से भरे टैंकर से ज्वलनशील पदार्थ निकालकर चोरी हो रहा है तथा दो व्यक्ति टैंकर पर ऊपर ढक्कन खोलकर पाइप लगाकर इलेक्ट्रिक मोटर से प्लास्टिक के ड्रमों में केमिकल भर रहे थे, जिनको हिदायत दी तथा दोनों को काबू कर नाम पता पूछा तो एक ने अपना नाम नजीर खान पुत्र हकीम खान निवासी मोयलो का बास बाडमेर जिसने अपने आपको टैंकर का चालक होना बताया तथा केमिकल के पास खड़े व्यक्ति ने अपना नाम चन्दगीराम राम यादव उर्फ राजू पुत्र शंकरलाल यादव निवासी सेक्टर नंबर०दो प्लॉट नंबर 165 विद्याधर नगर जयपुर होना बताया तथा अपने आप को केमिकल खरीदने वाला होना बताया तथा केमिकल चोरी कर ड्रम भरना और बाद में केमिकल को बेचना बताया। मौके पर ज्वलनशील पदार्थ अवैध भंडारण के संबंध में सुरक्षा आत्मक उपाय नहीं किए गए। जिससे दुर्घटना जन हानि होने की संभावना है। केमिकल के कारोबार के संबंध में लाइसेंस परमिट कागजात नहीं होना पाया गया।

दो गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने अवैध हथियार चाकू सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि टीम ने घण्टाघर निवासी अब्दुल सलाम (42) को गिरफ्तार किया। वहीं आमिर उर्फ नीलू को अवैध हथियार चाकू सहित गिरफ्तार किया।

सुंदर विचारों से ओतप्रोत सृजनात्मक मस्तिष्क के साथ मजबूत बनें : डॉ. कर्णसिंह

उदयपुर के भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

उदयपुर, (कासं)। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और शोध को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित उदयपुर के भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह का आयोजन गुरूवार को भूपाल नोबल्स संस्थान के महाराणा प्रताप खेल मैदान पर सम्पन्न हुआ, जिसमें देशभर से प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति रही। दीक्षांत समारोह बेटियों के नाम रहा। 147 में से 131 स्वर्ण पदक बेटियों को मिले तो सबके चहरे खिल उठे। समारोह में 224 को पीएच.डी की उपाधि प्रदान की गई जिसमें से 154 बेटियों के नाम रही। इसमें भी 68.75 प्रतिशत अर्थात 154 पीएचडी सिर्फ बेटियों ने प्राप्त कर पचरम फहरा दिया।

दीक्षांत समारोह को पूर्व केंद्रीय मंत्री व राज्यसभा सदस्य डॉ. कर्णसिंह ने संबोधित किया।

- **सभी दिशाओं से आने वाले अच्छे विचारों का स्वागत कीजिए व लोक कल्याण में आगे बढ़ियेः कर्नल प्रो. सारंगदेवोत**

मुख्य अतिथि पद्म विभूषण से सम्मानित एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, राज्यसभा सदस्य डॉ. कर्णसिंह ने कहा कि जब तक आप अपना निर्माण नहीं करोगे, तब तक आप इस योग्य नहीं बनोगे कि आप इस भारतवर्ष का निर्माण कर सको। अपना निर्माण आपको हर प्रकार से करना होगा। अपने शरीर को स्वस्थ रखो। स्वस्थ रहिये ताकि देश सेवा में लग सकें। दिमाग को चतुर बनाइये। बदलते दौर में अपने दिमाग को तेज बनाइये। उसका सृजनात्मक प्रयोग लगातार कीजिए, सीखिये जितना कुछ हो सके। सीखने की कोई उम्र नहीं होती, मैं आज तक सीखता ही जा रहा हूं। जहां से अच्छे विचार आएं, हमें सीखना चाहिए। शरीर को बनाइये, मस्तिष्क को बनाइये। डॉ. कर्णसिंह ने कहा कि सुंदर विचारों से ओतप्रोत सृजनात्मक मस्तिष्क के साथ मजबूत बनिये और नया देश बनाइये। घृणा, गुस्सा, दुश्मनी द्वेश बढ़ते जा रहे हैं जो हमारे समाज के लिए अच्छे नहीं है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत विविधताओं का देश है फिर भी उसमें एकता है। हमें यह एकता कायम रखती है। मेरी उम्र स्वतंत्र भारत से ज्यादा है। किस प्रकार से आजादी से पहले घृणा, नफरत, अलगावावाद की बातें चलीं व अंत में तीन हिस्से भारतवर्ष के हो गए, लाखों लोग बेघर हो गए। ये होता है परिणाम घृणा का।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि महाराजा डॉ. कर्णसिंह, चेयरपर्सन कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, मंत्री महेन्द्र सिंह आगरिया, प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी, अध्यक्ष डॉ. चेतन सिंह चौहान, रजिस्ट्रार डॉ. एन.एन. सिंह द्वारा पंडित प्रो. परमानंद भारद्वाज के मंत्रोच्चारण के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजली एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अध्यक्षता करते हुए विवि के चेयरपर्सन कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि 1923 में वंचित वर्ग को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने के उद्देश्य से तात्कालीन महाराज कुंवर भूपालसिंह ने नोबल्स विद्यालय की स्थापना की जिसे 2015 में राजस्थान सरकार ने विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया। उन्होंने कहा कि साहित्यिक, सांस्कृतिक, वन शिविर, इंडस्ट्रियल विजिट, जन जागरूकता कार्यक्रम, नॉलेज शेयरिंग आदि में हमारा विवि बेस्ट प्रैक्टिस के तहत एमओयू साझा कर रहा है। हमें गर्व है कि 90 प्रतिशत गोल्ड मेडल छात्राओं ने जीते हैं। पीएचडी धारक भी 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। सत्य यह है कि नारी संपूर्ण राष्ट्र को सही दिशा दिखा रही है। हमारी प्राचीन भारतीय सभ्यता में शिक्षक को सर्वोत्तम स्थान प्राप्त है।

समारोह से पूर्व अतिथियों द्वारा संस्थान परिसर में लगी भूपालसिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया, ततपश्चात एनसीसी केडेट्स द्वारा डॉ. कर्णसिंह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद विवि के परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार सेरेमोनियल रोबिंग हुई। चेयरपर्सन प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत द्वारा मुख्य अतिथियों का औपचारिक स्वागत एवं समारोह की आधिकारिक घोषणा के बाद दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधियाँ प्रदान की गई। डॉ. महेंद्र सिंह ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एमपीयूटी के कुलपति प्रो. अजित कुमार कर्नाटक, आईपीएस डॉ. विष्णुकांत, आईएस शक्ति सिंह राठौड़, डॉ. चेतना भाटी, सीकर जिला प्रमुख गायत्री राठौड़, वरिष्ठ अधिवक्ता सुशील कुमार, पूर्व विधायक त्रिलोक पुर्बिया, प्रो. एकलिंग सिंह, प्रो. जरियाव सिंह, राजेन्द्र सिंह, शक्ति सिंह, डॉ. युवराज सिंह, नवल सिंह जुड, नकुल सिंह, कमलेश्वर सिंह, भंवर सिंह चौहान, सुरेन्द्र प्रताप सिंह शक्तावत, करण सिंह चुण्डात, महेन्द्र सिंह चुण्डावत, पुष्पेन्द्र सिंह शक्तावत, राजेन्द्र सिंह राणावत, कुलदीप सिंह चुण्डावत, महेन्द्र सिंह पाटिया पीजीडीन डॉ. प्रेम सिंह रावलोत, डॉ. रेणु राठौड, डॉ. रितु तोमर, डॉ. रजनी अरोडा, भानु प्रताप सिंह सहित संस्थान के डीन, डायरेक्टर सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जैसलमेर में शहीद जयसिंह भाटी की प्रतिमा का अनावरण किया

शहीद जयसिंह भाटी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण शहीद जयसिंह भाटी सर्किल पर हुआ।

जैसलमेर, (निसं)। शहीद जयसिंह भाटी के 29वें बलिदान दिवस पर शहीद जयसिंह भाटी सर्किल पर आदमकद प्रतिमा का अनावरण हुआ। सेना की ओर से शहीद को सलामी दी गई।

समारोह में ख्याला मठ महंत गोरखनाथ, सीसुब महानिरीक्षक योगेंद्रसिंह, पूर्व विधायक जितेंद्रसिंह भाटी, रूपाराम धनदे, समाजसेवी सुनीता भाटी, जिला प्रमुख प्रतापसिंह, पूर्व सांसद मानवेन्द्रसिंह, विधायक छोटूसिंह भाटी, स्वामी प्रतापपुरी, रविन्द्रसिंह भाटी, पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी, पूर्व जिला प्रमुख अंजना मेघवाल, कलेक्टर प्रतापसिंह, पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, निर्वतमान सभापति हरिवललभ कल्ला, एडवोकेट सवाईसिंह देवड़ा, जितेंद्रसिंह भाटी पूनमनगर, मदनसिंह राजमथाई, आयुक्त लजपालसिंह सोढा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। शहीद जयसिंह भाटी के 29वें बलिदान दिवस पर शहीद जयसिंह भाटी सर्किल पर आदमकद प्रतिमा के अनावरण के दौरान जीवनलाल दलाल को जयसिंह स्मारक बनाने के लिए बेस्ट ठेकेदार के रूप में छोटूसिंह भाटी और मानवेंद्रसिंह द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिले के सभी समाजों के लोगों सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

- **उपकमांडेंट जयसिंह भाटी ने 27 मार्च 1996 को कश्मीर के सोपोर में आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए प्राण त्याग दिये थे**
- **जयसिंह भाटी के नाम पर सीमा सुरक्षा बल ने एक सीमांत चौकी का नाम ''जय'' रखा है तथा गुवाहाटी (असम) की एक सड़क का नाम शहीद जयसिंह के नाम किया है**

जानकारी के अनुसार शहीद जयसिंह भाटी जैसलमेर के दक्षिणी बसियां गांव देवड़ा के निवासी थे। सीमा सुरक्षा बल में उपकमांडेंट पद पर रहते हुए 27 मार्च 1996 को कश्मीर के सोपोर में आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए प्राण त्याग दिये थे। उनके अदम्य साहस, पराक्रम व शौर्य को देखते हुए तत्कालीन भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपति पुलिस पदक से नवाजा गया था। उनके नाम पर सीमा सुरक्षा बल ने एक सीमांत चौकी का नाम ''जय'' रखा है तथा उनकी 42 वीं बटालियन द्वारा गुवाहाटी (असम) की एक सड़क का नाम शहीद जयसिंह के नाम किया गया है।

भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ की चुनौतियां कम नहीं हो रही

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ की चुनौतियां कम नहीं हो रही हैं। सीमा पार पाकिस्तान में इन दिनों 12 हेरोइन तस्कर सक्रिय हैं। छह पंखों वाले ड्रोन ऑपरेट कर रहे हैं जो ज्यादा वजन और दूरी तय करने में सक्षम है।

बीएसएफ की इंद्रजीत सीमा चौकी एरिया में 3.127 किलोग्राम हेरोइन और संदिग्ध बाइक जब्त की गई थी। बीएसएफ की जी ब्रांच के पास इसका इनपुट पहले से ही था, जिसे लेकर सर्विलांस सिस्टम को सक्रिय कर दिया गया था। दरअसल हेरोइन की यह खेप भेजने वाला पाक तस्कर नाजिर बताया जा रहा है। बीकानेर बॉर्डर के सामने इस धंधे में इसकी नई एंट्री है। पहली बार में ही इसने 15 करोड़ की हेरोइन भेजी, लेकिन बीएसएफ जी ब्रांच की सक्रियता के कारण पंजाब के तस्करों के हाथ नहीं लग सकी। हेरोइन के पैकेट पर कोड वर्ड में एन और शेर की मुहर है। पंजाब तस्करों के लिए इस बात का संकेत है कि माल नाजिर ने भेजा है।

सूत्रों का कहना है कि बीकानेर के सामने पाकिस्तान के बहावलपुर और श्रीगंगानगर के सामने भावलनगर एरिया में इन दिनों 12 हेरोइन तस्कर सक्रिय हैं। इनका सरगना मलिक चौधरी है, जिसने 2021 में बंदली सीमा चौकी पर करीब 300 करोड़ की हेरोइन पाइप के जरिए भेजी थी। दूसरे सरगना को महार नाम से जाना जाता है। अन्य पाक तस्कर इरफान, राजा, चाचा आदि इनके गुर्गे हैं। इनके नाम का पहला अक्षर ही इनका कोडवर्ड होता है। सीमा पार से यह तस्कर आए दिन ड्रोन से हेरोइन भेज रहे हैं, लेकिन हर बार माल पकड़ा नहीं जाता। सूत्रों का यहां तक कहना है कि इस धंधे में ईमानदारी इतनी है कि गलती से किसी दूसरे तस्कर को पैकेट हाथ लग जाए तो उसे उसके असली खरीददार तक पहुंचाता है।

बीएसएफ बीकानेर सेक्टर के 165 किलोमीटर बॉर्डर पर पिछले पांच साल में हेरोइन तस्करी की 14 वारदातें हो चुकी हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा चार घटनाएं नेमीचंद बीओपी एरिया में हुई हैं। बॉर्डर पर बीएसएफ की बंदली, संग्रामपुर, केके टिब्बा, भगत, भागीरथी, दीपामाला, मानसरोवर, हिमगिरी, सखी और इंद्रजीत बीओपी पाक तस्करों को टारगेट एरिया बनी हुई हैं। पंजाब के तस्करों से वर्चुअल कॉल पर सेटिंग होने के बाद लोकेशन शेयर करने पर ड्रोन से पार्सल भेजे जाते हैं। ड्रोन जीपीएस कनेक्टेड होने के कारण हवा में करीब एक किमी ऊपर से पार्सल मैदानी इलाके में गिरा कर लौट जाता है। बीओपी से ढाई-तीन किमी की दूरी होने के कारण आम तौर पर बीएसएफ को इसकी भनक नहीं लग पाती। बॉर्डर इलाके के स्थानीय बेरोजगार और बदमाश प्रवृति के युवाओं को पैसे का लालच देकर पंजाब के तस्कर पार्सल उठवाते हैं। बॉर्डर पर आम तौर पर चार पंखे वाले ड्रोन का उपयोग हेरोइन भेजने में किया जा रहा है। यह कीमत में सस्ते होते हैं। गिर भी जाएं तो ज्यादा नुकसान नहीं होता। अब पता चला है कि पाक तस्कर छह पंखों वाले ड्रोन भी उड़ाने लगे हैं। हालांकि इसे अब तक ट्रेस नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह ड्रोन ज्यादा वजन ले जाने और दस किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है।

सचिव व बाबू रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी भरतपुर इकाई द्वारा कार्रवाई करते हुए संतोष कुमार सचिव एवं मोहित कुमार बाबू डीपीएम एसटीसी कॉलेज हलेना में 15 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी की उपस्थिति कम दिखाकर उक्त उपस्थिति को पूर्ण करने व स्कॉलरशिप दिलाने के एवज में 25,500 रूपये रिश्वत की मांग रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा है, जिस पर एसीबी रेंज भरतपुर के उप महानिरीक्षक राजेश सिंह के सुपरविजन में एसीबी चौकी भरतपुर के अमित सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में आरोपी संतोष कुमार सचिव एवं मोहित कुमार बाबू डीपीएम एसटीसी कॉलेज में 15 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है।

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के तहत अजमेर में अंत्योदय कल्याण समारोह आयोजित

अजमेर, (कासं)। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अन्तर्गत गुरूवार को अंत्योदय कल्याण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से संबोधित किया। वीसी के माध्यम से सीधा प्रसारण डॉ. भीमराव अंबेडकर मेडिकल कॉलेज सभागार में किया गया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को भी लाभान्वित किया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया।

जिला स्तरीय समारोह में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि भारत को विश्व पटल पर पहचान मिली है। दुनियाभर में भारत को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत बनाने के ध्येय को लेकर प्रतिबद्ध है। विकसित भारत की संकल्पना जल्द पूर्ण होगी। इसे पूर्ण करने में सरकार और समाज एक साथ लगे हुए हैं। इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि केन्द्र के साथ-साथ राज्य सरकार भी देश को आगे बढ़ाने में लगी हुई है। राज्य सरकार राज्य को देश में अग्रणी राज्य बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए शिक्षा, सड़कें, स्वास्थ्य, पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को केन्द्र में रखकर कार्य किया है। गत एक वर्ष में आमजन से जुड़े कार्य किए गए हैं। प्रत्येक क्षेत्र में विकास किया जा रहा है। राज्य में मूलभूत सुविधाओं का वृहद स्तर पर विस्तार हुआ है। डबल इंजन की सरकार के माध्यम से जनहित के कार्यों की गति को बढ़ावा मिला। इससे गरीब वर्ग के जीवन में बदलाव आया है। आज के अन्त्योदय कल्याण समारोह के माध्यम से अन्तिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया गया।

- **डबल इंजन की सरकार के माध्यम से जनहित के कार्यों की गति को बढ़ावा मिला है : दिया कुमारी**

जिला कलेक्टर लोक बन्धु ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में लाभार्थियों को लाभांवित किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से 46 दृष्टिबाधित दिव्यांगों को स्मार्ट फोन वितरित किए गए। श्रवणबाधित 10 विद्यार्थियों को श्रवणयंत्र दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अन्तर्गत 5 लाभार्थियों को अगली किस्त जारी की गई। जिला परिषद के माध्यम से स्वामित्व योजना के अन्तर्गत 14 लाभार्थियों को प्रापर्टी पार्सल पट्टे दिए गए। श्रम विभाग की योजनाओं से लाभांवित 4 व्यक्तियों को प्रतिकात्मक चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, विधायक अनिता भदेल एवं विरेन्द्र सिंह कानावत, उपमहापौर नीरज जैन, पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया, अध्यक्ष जीतमल प्रजापत एवं रमेश सोनी, यूआईटी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेश जैन, भारती श्रीवास्तव, अर्जुनसिंह रावत सहित अन्य मौजूद रहे।

फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। चेचट पुलिस टीम ने मादक पदार्थ मामले में दो साल से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया। कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 15 मई 2023 को मंडाना पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए कार में तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा 213 किलोग्राम सहित आरोपी भागीरथ को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया था। पकड़े गये आरोपी भागीरथ ने चेचट पुलिस द्वारा किये गये अनुसंधान में अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जिला मंदसौर के सुरजना जुना निवासी गोविन्द सिंह से लाना बताया तभी से आरोपी गोविन्द सिंह फरार चल रहा था। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिये चेचट थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। एसपी ने बताया कि गठित टीम ने दो साल से फरार चल रहे आरोपी की तलाश के लिये जगह-जगह दबिश दी और कार्यवाही करते हुए जिला मंदसौर के सुरजान जुना निवासी गोविंद सिंह को कोटा से डिटेन कर गिरफ्तार किया।

थ्रेसर मशीन से हाथ कटकर अलग हुआ था, 45 लाख देने होंगे

सांभरझील, (निसं)। ट्रैक्टर चालक की लापरवाही से काम करने वाले पीड़ित की ट्रैक्टर की थ्रेसर मशीन से दाहिना हाथ कटकर अलग होने के दुर्घटना के मामले में सैशन न्यायाधीश अरविंद कुमार जांगिड़ ने मोटर दुर्घटना वाद प्रकरण की सुनवाई करते हुए पीड़ित को 44 लाख 88 हजार की क्षतिपूर्ति राशि अदा किए जाने हेतु बीमा कंपनी को 3 सितंबर 2022 से वसूली तक 9 प्रतिशत वार्षिक दर से साधारण ब्याज ज्यादा करने की आदेश दिए हैं।

प्रार्थी पीड़ित के अधिवक्ता सुरेंद्र परिहार ने न्यायालय को बताया कि ट्रैक्टर में लगी थ्रेशर मशीन को चालक द्वारा अचानक गफलत व लापरवाही से चालू कर दिया जिसके कारण प्रार्थी का दाहिना हाथ कटकर अलग हो गया था। पीड़ित जगदीश प्रसाद पुत्र छोटूराम निवासी पणिहारी थाना फुलेला जिला जयपुर का रहने वाला है, इस मामले में उसकी ओर से फुलेरा थाने में मुकदमा दर्ज भी कराया गया था। प्रार्थी जगदीश प्रसाद को उसके बचत खाते में 24 लाख 88 हजार रुपए मय ब्याज सावधि जमा राशि 20 लाख रुपए मय ब्याज 3 वर्षीय अवधि के लिए विभाजित करने के न्यायालय ने बीमा कंपनी को आदेशित किया है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट विदेश भेजकर लाखों कमाये, एक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट विदेश भेजकर लाखों रुपए कमाए। इस पैसे को महंगे होटलों में मौज-मस्ती और लड़कियों पर खर्च करता। पुलिस जब चेकिंग के लिए एक होटल में पहुंची तो संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने चौंकाने वाला खुलासा किया।

श्रीगंगानगर एसपी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने केसरीसिंहपुर निवासी सौरभ मेहरा (22) को गिरफ्तार किया है। मोबाइल की तलाशी और पूछताछ करने पर आरोपी की पूरी कहानी सामने आ गई। युवक इंस्टाग्राम और टेलीग्राम के जरिए पोर्नोग्राफिक सामग्री के लिंक मंगवाता था। इन लिंक को विदेशी ग्राहकों को भेजकर डॉलर में पेमेंट लेता था। भुगतान के लिए पेपैल का इस्तेमाल करता था। एसपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी सौरभ मेहरा श्रीगंगानगर में एक होटल में ठहरा हुआ था। पुरानी आबादी थाना प्रभारी ज्योति नायक होटलों की चेकिंग पर निकली थी। एक होटल में पहुंचे तो युवक की गतिविधि संदिग्ध लगी। थाना प्रभारी को शक हुआ तो उसके मोबाइल की जांच की गई तो उसमें कुछ ट्रांजैक्शन चल रहे थे। इस बारे में पूछा तो युवक सही जवाब नहीं दे पाया। पुलिस युवक को थाने ले आई। एसपी ने बताया कि आरोपी सौरभ टेलीग्राम पर 'मेगा लिंक्स' नाम से आईडी बनाकर विदेशी ग्राहकों को चाइल्ड पोर्नोग्राफी कंटेंट भेजता था। आरोपी अपने मोबाइल से यह काम करता था। वह इंस्टाग्राम और टेलीग्राम के जरिए अश्लील सामग्री के लिंक मंगवाता था।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी विदेशी ग्राहकों को ये लिंक भेजकर डॉलर में पेमेंट लेता था। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया है। उसके खिलाफ आईटी और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसपी ने बताया कि पोर्नोग्राफी प्रतिबंधित नहीं है, वहां के लोगों से संपर्क कर उन्हें पैसे भेजता था और वहां से भी पोर्नोग्राफी सामग्री मंगवाता था। अब तक उसने कितने लोगों से पैसे ऐंठे, उसे खुद भी याद नहीं है। आरोपी पिछले 2 साल से यह पोर्नोग्राफी लिंक भेज रहा था। युवक की इस हरकत की जानकारी परिजनों को नहीं थी।

हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। महावीर नगर पुलिस टीम ने महावीर नगर इलाके में पेट्रोल पम्प कर्मचारियों के ऊपर किये गये हमले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

महावीर नगर थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि 22 मार्च को फरियादी ने रिपोर्ट दी थी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा था कि मोटरसाईकिल सवार ने उसके एक साथी कर्मचारी शंभु सिंह से 99 रूपये का पेट्रोल बाइक में डलवाया और उससे एक रूपया मांग रहा था। जिस पर उसने व शंभूसिंह ने उसको एक रूपया नहीं होने की बात कहकर 10 रूपये दिये जिस पर उसने उनसे अपशब्द बोले और विवाद होने पर अपने अन्य साथियों को मौके पर बुलाकर उन दोनों पर हमला कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मुगेना निवासी महेन्द्र कुमार मीना और रंगबाड़ी निवासी भुपेन्द्र मीना को गिरफ्तार किया।

हत्या के प्रयास में तीन माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने हत्या के प्रयास में तीन माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया और इस प्रयास के दौरान आरोपी फॉरलेन पुलिया से कूदा जिससे उसके पांव में भी चोट लगी। पुलिस टीम ने आरोपी का पीछा कर आरोपी को दस्तयाब कर इलाज कराकर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि फरियादी ने 2 जनवरी को अनंतपुरा थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसके भाई अजीत पर तुल्लापुरा निवासी वीरेन्द्र उर्फ बिन्दा ने जान से मारने की नियत से चाकू से हमला किया। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिये अनंतपुरा थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि टीम को फरार चल रहे आरोपी की झालावाड़ रोड़ कर्णेश्वर महादेव मंदिर की तरफ होने की सूचना मिली। शहर एसपी ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, पुलिस टीम को देखकर आरोपी ने भागने का प्रयास किया और फॉरलेन पुलिया से कूद गया जिसका पीछा कर पुलिस टीम ने आरोपी को दस्तयाब कर उसका इलाज कराकर प्रकरण में पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी रेलवे कॉलोनी थाने का शातिर हार्डकोर अपराधी है। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

- **पुलिस को देख आरोपी ने भागने का प्रयास किया**

ट्रैक्टर चोर गिरफ्तार : कोटा के अनंतपुरा पुलिस टीम ने ट्रेक्टर चोरी के एक वर्ष पुराने प्रकरण का खुलासा करते हुए ट्रैक्टर चुराने वाले वांछित चल रहे चोर को गिरफ्तार किया है। अनंतपुरा थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह ने बताया कि दादाबाड़ी पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान मोटरसाईकिल चोरी की फिराक में घूम रहे एक व्यक्ति को संदेह होने पर डिटेन कर थाने लाकर पूछताछ की गई तो व्यक्ति धनेश्वर निवासी विनोद कुमार ने पूछताछ में अनंतपुरा में ट्रैक्टर चोरी की वारदात को करना स्वीकार किया। पूछताछ के बाद आरोपी विनोद को गिरफ्तार कर अनंतपुरा पुलिस को सौंपा। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ व सीसीटीवी फुटैज के आधार पर ट्रैक्टर चोरी के एक वर्ष पुराने प्रकरण का खुलासा कर विनोद कुमार को गिरफ्तार किया गया।

लाखों के जेवर लेकर पुत्र के साथ विवाहिता लापता

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने गुरुवार को ग्रामीण क्षेत्र के एक व्यक्ति की रिपोर्ट पर 30 वर्षीय विवाहिता द्वारा घर से ससुराल जाने की कहकर लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात सहित अपने 8 वर्षीय पुत्र को साथ लेकर लापता होने पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है।

राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि थाने में एक व्यक्ति ने गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि 25 मार्च को उसकी 30 वर्षीय बहन अपने 8 वर्षीय पुत्र को लेकर अपने गाँव से अपनी ससुराल जाने के लिए घर से निकली थी, जो शाम तक अपनी ससुराल नहीं पहुंची। उन्होंने अपनी बहन के ससुराल व अपनी समस्त रिश्तेदारियों तथा जान पहचान वालों से उसके बारे में काफी पूछताछ की परन्तु आज तक उसका कोई पता नहीं लग पाया है।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। अयाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध देशी टोपीदार बंदूक सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध हथियारों की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ के लिये लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि इटावा वृताधिकारी शिवम् जोशी के सुपरविजन एवं अयाना थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी उम्मेद सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि अयाना थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी उम्मेद सिंह ने मय जाप्ता इलाके में कार्रवाई करते हुए एक जने से अवैध देशी टोपीदार बंदूक बरामद की। पुलिस टीम ने मौके पर आर्म्स एक्ट में कार्रवाई करते हुए रूण्डी गांव थाना अयाना निवासी मुकेश (42) को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी से अवैध हथियार के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है।

सार-समाचार

क्रिकेट मैत्री मैच का आयोजन

भरतपुर। भरतपुर साइकिल क्लब की ओर से डे नाइट क्रिकेट मैत्री मैच का आयोजन किया गया, जिसमें बीसीसी टाइगर टीम विजेता रही। क्वार्टर फाइनल मुकाबला बीसीसी पैंथर और बीसीसी लायन टीम के बीच हुआ। लायन टीम ने पहले खेलते हुए 114 रन बनाए ,जिसके जवाब में पैंथर टीम के खिलाड़ी 104 रन ही बना पाए। बाद में फाइनल मुकाबला बीसीसी लायन और बीसी टाइगर के बीच हुआ। बीसीसी लायन में पहले खेलते हुए 104 रनों का स्कोर खड़ा किया। जिसके जवाब बीसी टाइगर ने हाफ टाइम के बाद आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 11 ओवर एक बॉल में ही 105 रन बना लिए ।हाफ सेंचुरी सार्थक अरोड़ा में लगाई।बाद में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान फुटबाल संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद पाल सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया । मैन ऑफ द मैच सार्थक अरोड़ा, बेस्ट बल्लेबाज कुणाल गुप्ता और बेस्ट बॉलर गौरव जैन को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अरविंद पाल सिंह ने कहा की इस तरह कीआयोजन सराहनीय और जरूरी है। इससे आउटडोर एक्टिविटी को बढ़ावा मिलता है । कोरोना के बाद यह साबित हो चुका है की प्रोफेशनल व्यक्तियों और व्यापारियों को आउटडोर एक्टिविटीज पर ध्यान देना चाहिए ।इससे इंटरनेट युग में जी रही नई पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलती है । कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष पंकज गोयल संरक्षक लोकेश अठावाल, नवीन पाराशर सहित कार्यक्रम में सहयोगी रहे सुनील कंसल,गौरव जिंदल ,लोकेश ज्वाला जी, योगेश सक्सैना जीवन जैन ,सुमित अरोड़ा आदि को भी सम्मानित किया गया इस मौके पर महिलाओं के लिए साइकिल रेस प्रतियोगिता जल्द आयोजित करने की घोषणा की गई इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए।

विजेता खिलाड़ियों का किया सम्मान

भरतपुर, (निसं)।फर्स्ट राजधानी जूडो चैंपियनशिप में राजस्थान भरतपुर की कैडेट गर्ल्स टीम ने सिल्वर मेडल जीता ।दिल्ली में आयोजित हुई राजधानी जूडो चैंपियनशिप 2025 में कैडेट वर्ग की गर्ल्स टीम ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया । भरतपुर शाला क्रीड़ा संगम की खिलाड़ी मनोरमा बोहरा ने फ़ाइनल मैच में मणिपुर की खिलाड़ी को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया वही भूमि सिंह ने महाराष्ट्र दिल्ली जम्मू कश्मीर राज्यो की खिलाड़ियो को हराकर लीग के फ़ाइनल में प्रवेश कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियो का सम्मान भरतपुर में नदबई विधायक कुँ जगत सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी सरीना फाउंडेशन की अध्यक्षा सोमाया सिंह द्वारा किया गया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इन सभी खिलाड़ियो को भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जितने की शुभकामनाये दी। शाला क्रीड़ा संगम में प्रैक्टिक्स करने वाले 8 खिलाड़ियो को सरीना फाउंडेशन द्वारा स्पॉन्सर किया जा रहा हे इन खिलाड़ियो ने 2024-25 में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीतकर भरतपुर और राजस्थान का नाम रोशन किया है। इस दोरान सतेन्द्र गुड्डू परमिन्द्र तंवर शैलैंद्र सिंह खिलाड़ी अनुराग भानु जिया अवनी लावण्या भूमि मनोरमा और मौजूद रहे। कोच जूडो की पूजा देशवाल ने बताया कि भरतपुर जिले में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है यहाँ के खिलाड़ियो को इसी तरह सपोर्ट और अच्छी प्रेक्टिस अच्छा ग्राउंड मिल जाए तो भरतपुर के खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतेंगे ऐसा मेरा मानना है की अगर आप किसी भी काम को पूरी मेहनत ओर लगन से करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी।

विद्यार्थियों ने किया शैक्षिक भ्रमण

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हलैना के व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों ने 27 मार्च 2025 गुरूवार को कृषि महाविद्यालय भुसावर का शैक्षिक भ्रमण किया। महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने विद्यार्थियों को नीबू, आम, अमरूद, ऑवला आदि बगीचों का भ्रमण कराया तथा विभिन्न फलदार बगीचों की समस्याएं एवं उनके समाधान बताये। डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि यदि किसान अपने उत्पाद को बाजार में सीधे बेचने के बजाय उसे प्रोसेसिंग करके बेचे तो दो से तीन गुना लाभ बढाया जा सकता है। जैसे गेंहू का दलिया या मैदा, आम व नीबू का अचार, अमरूद से जैली, फलों के स्क्वश, जैम, मुरब्बा, बेर की कैण्डी, टमाटर का सॉस या कैचअप आदि बनाकर बेचने से कुल लाभ बढता है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अतिरिक्त अवसर पैदा होते हैं। उन्होंने कृषि क्षेत्र में विजनेस की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुऐ कहा कि भारत में कुल कृषि उत्पादन के 5 प्रतिशत हिस्से की प्रोसिसिंग होती है, जबकि विकसित देशों में यह 95 प्रतिशत तक है । अतः युवाओं को इस क्षेत्र में आगे आना चाहिए, इससे फसलों के कटाई पश्चात होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है तथा कृषि उत्पादों का निर्यात कर विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है। इस अवसर पर हलैना विद्यालय के प्रधानाचार्य निर्भय सिंह कसाना, कृषि व्याख्याता अभय सिंह मीना सहित अन्य स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित थे।

श्री राम शोभा यात्रा हेतु बैठक

भरतपुर, (निसं)। आज रूपलापायसा मोहल्ला भरतपुर में श्रीराम शोभा यात्रा के उपाध्यक्ष कौशलेश शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में श्रीराम शोभा यात्रा व कलश यात्रा में महिलाए व पुरुषों को अधिक से अधिक संख्या शामिल होने का आ ान किया । श्रीराम कथा की कलश यात्रा 29 मार्च प्रातः 9 बजे श्रीलक्ष्मण मंदिर से प्रारंभ होकर श्री विहारी जी मन्दिर कथा स्थल पर पहुंचेगी। भगवान श्रीराम जी की शोभा यात्रा 6 अप्रैल 2025 को अनाज मंडी कुम्हेर गेट से होते हुए बाजार से गुजरते हुए कॉलेज ग्राउंड पर महा आरती पश्चात विसर्जन होगा।।शोभायात्रा को भव्य दिव्य बनाने में शहर व जिले के सभी युवा महिला पुरुष कलश व शोभा यात्रा में में भाग लेकर परमसौभाग्य प्राप्तकरें।प्रत्येक सदस्य रामदूत बनकर शोभायात्रा को सफलतम बनाने में सहयोग प्रदान कर पुण्य प्राप्त करें।मोहल्ले से अधिकाधिक भागीदारी की जिम्मेदारी नीरज शर्मा व उनकी धर्मपत्नी को सौंपी गई।इस अवसर पर सेवानिवृत्त उपनिदेशक व सर्व शक्ति मित्र मंडल जिलाध्यक्ष नेमीचंद मुद्गल भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज भारद्वाज समता आंदोलन के जिलाध्यक्ष केदारनाथ पाराशर जार जिलाध्यक्ष रविन्द्र मोहन शर्मा अन्नपूर्णा रसोई संचालक विष्णुदत्त शर्मा सेवानिवृत्त सहायक लेखाधिकारी ईश्वरी प्रसाद शर्मा सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक ब्रजकिशोर शर्मा अशोक कुमार सारस सेवानिवृत्त थानेदार प्रभूदयाल कटारा सेवानिवृत्त रोडवेज कर्मचारी संघ के संभाग अध्यक्ष दिनेश चंद जघीना तिलक नगर ब्राह्मण समाज वरिष्ठ सदस्य पंडित वनवारी लाल मदन मोहन अध्यापक वरिष्ठ समाज सेवी राजेंद्र जती देवेन्द्रमोहन तिवारी लाल चंद एल आई सी प्रधानाचार्य बाबूलाल शर्मा एवम मोहल्ले के महिलाए व पुरुष उपस्थित हुए।

परीक्षा आमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

करौली, (निसं)।राजकीय महाविद्यालय करौली में गुरूवार को परीक्षा विभाग के तत्वाधान में एक दिवसीय परीक्षा आमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. विश्राम लाल बैरवा ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में विद्यार्थियों को परीक्षा से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार तनावों से बचने की सलाह दी। परीक्षा प्रभारी रफीक अहमद ने विद्यार्थियों को नई शिक्षा पद्धित के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा किये। इस अवसर पर आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. सीताराम खण्डेलवाल ने विद्यार्थियों को एनईपी 2020 के अनुसार परीक्षा प्रणाली से सम्बन्धित परिवर्तन के बारे में अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को सैमेस्टर सिस्टम की विस्तृत जानकारी, प्रदान की। इस अवसर पर महाविद्यालय के नवाचार एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रीतम सिंह मीना ने विद्यार्थियों के साथ अपने परीक्षा से सम्बन्धित अनुभव साझा किये तथा विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका में लिखने की कला के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी परीक्षा से सम्बन्धित जिज्ञासा को उजागर करते हुए प्रश्नोंत्तरी की। कार्यकम का मंच संचालन विश्राम सिंह मीना ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संकाय सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विधायक डॉ गर्ग ने की जनसुनवाई

भरतपुर,(निसं)। पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन रणजीत नगर स्थित कार्यालय पर जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री महाराजा विश्वेन्द्र सिंह से विधायक डॉ गर्ग की आत्मीय मुलाक़ात हुई और भरतपुर के विकास और राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस मौके पर डॉक्टर गर्ग द्वारा पूर्व कैबिनेट मंत्री का स्वागत सम्मान किया गया। जन सुनवाई में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को विधायक डॉ. सुभाष गर्ग के समक्ष रखा। उन्होंने आश्वासन दिया कि हर समस्या का त्वरित समाधान किया जाएगा और आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

विधायक गुर्जर ने पूजा-अर्चना कर किया भंडारे का शुभारंभ

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय पर इन दिनो भक्तों कि ओर से कैलामाता कि पदयात्रा कर रहे यात्रियों के लिए भोजन भंडारे संचालित हो रहे हैं जिनमें से एक भोजन भंडारे का करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने कैलामाता कि पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया।

मां कैलामाता भक्त मंडल कि ओर से हाथीघटा स्थित विद्युत विभाग कार्यालय परिसर में तीन दिवसीय विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ भंडारा संचालक मंडल के गोविंद बजाज ने बताया कि प्रातः करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर एवं नगर परिषद सभापति प्रतिनिधि सुशील शर्मा ने कैलामाता के चित्रपट पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वल कर भंडारे का पूजा अर्चना के साथ शुभारंभ किया इस दौरान कन्या लांगुराओ को जीमन कराया गया एवं भक्तों को हलवा,पूरी,सब्जी की प्रसादी वितरण की गई वही दोपहर के समय तेज धूप और गर्मी के बीच पैदल चल रहे पदयात्रियो को शीतल ठंडाई का वितरण किया गया वही रात्रि के समय राजमा,चावल,पूडी,चपाती का भोजन कराया गया इस दौरान वस्त्र व्यापार संघ से जुड़े कैलाश बजाज,अमर सिंह तॅवर,लेखराज,महेश बजाज,गुड्डू तिरपाल वाले, संजू कंप्यूटर,आशीष गुप्ता,लहरी बजाज,संजू बजाज,वस्त्र व्यापार संघ के अध्यक्ष विक्की बजाज,रवि जिंदल,गोपाल गुप्ता के अलावा कई अन्य कपड़ा व्यवसाई और भामाशाह उपस्थित रहे। इसके अलावा बाल्मिक आश्रम पर डॉ. गोविन्द गुप्ता उनकी पत्नी अनीता गुप्ता के नेतृत्व मे चाय और ना'ते कि पदयात्रियो को व्यवस्था कि गई इस दौरान पूर्व प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिने'ा गुप्ता डॉ. 'ावि लहरी गुप्ता आदि उपस्थित थे वही स्टेडियम के समीप ओमप्रकाश शर्मा भगत कि ओर से पुडी सब्जी कि प्रसादी लगाकर पदयात्रियो को वितरण कि गई वही शहर के करीब दो दर्जन स्थानो पर पदयात्रियों के लिए चाय, नाश्ता, भोजन, शीतल पदार्थ पिलाकर भंडारे लगाये जा रहे है।

करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर (बीच में) का स्वागत करते भंडारा संचालक मंडल।

बिजली कनेक्शन काटा

करौली, (निसं)। विद्युत विभाग का करौली नगर परिषद पर करीब 2 करोड रुपए बकाया चल रहा है जिसको लेकर विभाग ने कार्यवाही करते हुए परिषद कार्यालय सहित सीवरेज लाइन के तीन विद्युत कनेक्शन को काटकर विद्युत आपूर्ति बंद कर दी। इन दिनो करौली जिला मुख्यालय सहित जिले भर में विद्युत विभाग की ओर से मार्च माह में विद्युत बकाया दरों से राशि वसूली का अभियान चलाया जा रहा है जिसको लेकर विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारी ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों से बकाया राशि वसूली कर रहे हैं वही राशि जमा नहीं कराने पर उनके ट्रांसफार्मर उतारकर विद्युत आपूर्ति बंद की जा रही है विद्युत विभाग के सहायक अभियंता (अ प्रथम) ललित बाबर ने बताया कि करौली नगर परिषद पर भी करीब 2 करोड रुपए की राशि बकाया चल रही है कई बार उन्हें राशि जमा करने के लिए पत्र व नोटिस भी दिए गए हैं लेकिन राशि जमा नहीं कराई गई जिस पर बुधवार को कार्रवाई करते हुए नगर परिषद कार्यालय सहित सीवरेज लाइन के तीन विद्युत संबंधी कनेक्शन को काटकर विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई है।

जिले में 44 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के सरपंचों का किया सम्मान

करौली, (निसं)। विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परेडवाल के आतिथ्य में मेडिकल कॉलेज सभागार में किया गया।

अभियान अंतर्गत निर्धारित 6 मापदंडों का जिन ग्राम पंचायतों में श्रेष्ठ प्रदर्शन हुआ है उन 44 ग्राम पंचायत के सरपंचों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा जमूरा और लेदिया ग्राम पंचायत को पिछले वर्ष टीबी मुक्त ग्राम पंचायत होने पर महात्मा गांधी की कांस्य स्टैचू प्रदान की गई।सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए एडीएम परेडवाल ने कहा कि टीबी की बीमारी से बचाव के लिए संपूर्ण स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना होगा और प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाले आहार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गांव को टीबी से मुक्त करने में सरपंचों की भूमिका अहम है, जागरूकता के लिए और प्रयासों की आवश्यकता है, जिससे आगामी वर्षों में हम टीबी मुक्त भारत के सपने को साकार कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि टीबी सहित सभी बीमारियों के बचाव के लिए हमें प्रकृति की ओर लौटना होगा, जिसके लिए सरपंचों को ग्राम स्तर से भी प्रयास करने होंगे। सीएमएचओ डॉ. दिनेश चंद मीना ने जिले की 42 ग्राम पंचायतों ने टीबी होने के लिए श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है तथा दो ग्राम पंचायत दूसरी बार ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त रख पाई है। श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के निर्धारित 6 मापदंडो में सस्पेक्टेड टीबी की जांच, टीबी नोटिफिकेशन की दर, ट्रीटमेंट सक्सेस रेट, ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्ट, निक्षय पोषण योजना और निक्षय मित्र द्वारा पोषण किट वितरण संबंधी गतिविधियों को संचालित किया है। 44 ग्राम पंचायत में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत की संकल्पना को साकार करने के लिए श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है जिनका नाम भारत सरकार को प्रमाण के लिए भेजा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सरपंचों का जो सहयोग मिला है वह आगे भी मिलता रहे। उन्होने निक्षय मित्र बनकर टीवी मरीजों की सहायतार्थ पोषण किट उपलब्ध कराने की अपेक्षा जताई। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ धर्मेंद्र कुमार द्वारा टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान की अंतर्गत 25 फरवरी से 24 मार्च तक आयोजित गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा जागरूकता माध्यमों की जानकारी को साझा करते हुए प्रधानमंत्री द्वारा टीबी मुक्त भारत में सहयोग की आवश्यकता जताई। इस दौरान मंच संचालन जिला कार्यक्रम ऑफिसर आशुतोष पांडे द्वारा किया गया एवं अभिवादन संबोधन जिला अस्पताल के वरिष्ठ फिजीशियन डॉ गोविंद गुप्ता द्वारा दिया गया। समारोह में जिला कार्यक्रम समन्वयक-आईईसी लखन सिंह लोधा, बीसीएमओ, यूएनएफपीफ प्रतिनिधि मनोज जांगिड़ सहित सरपंच और टीबी क्लीनिक के कार्मिक मौजूद रहे।

समर्पित कार्यकर्ता ही संगठन की पहचान : कसाना

भरतपुर, (निसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस से भरतपुर आए शहर ब्लॉक कांग्रेस के प्रभारी बबलू कसाना ने यहाँ हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित सामुदायिक भवन में शहर ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मीटिंग लेकर कहा कि पार्टी के लिए समर्पित कार्यकर्ता ही संगठन की पहचान है। जाजम बिछाने से लेकर झंडा फहराने तक का काम कार्यकर्ता ही करता है।

शहर ब्लॉक अध्यक्ष दयाचंद पचौरी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पीसीसी,जिला एवं शहर पदाधिकारियों ने प्रभारी बबलू कसाना का सूत की माला एवं कांठोस पार्टी का पटका पहनकर स्वागत किया। शहर प्रवक्ता दिगंबर खटाना ने बताया कि इस दौरान प्रभारी ने कांठोस पदाधिकारियों की उपस्थिति लेकर साफ संदेश दिया कि जो कार्यकर्ता-पदाधिकारी संगठन के कार्य को प्राथमिकता देगा वही आने वाले समय में संगठन की बागडोर का सहभागी बनेगा। शहर ब्लॉक अध्यक्ष दयाचंद पचौरी ने अपने कार्यकाल के दौरान संगठन के कामों का हवाला देते हुए बताया कि शहर ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विगत प्रत्येक चुनाव में आगे बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाकर अपनी निष्ठा साबित की है। आगे भी कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक दिशा निर्देश को पूरा करने में कोई कोर कसर नहीं रखेंगे। संचालन संगठन महासचिव डॉ लोकपाल सिंह ने किया। बैठक में प्रदेश महासचिव धर्मेंद्र शर्मा, साहब सिंह एडवोकेट, सतीश सोगरवाल, रमेश पाठक, गंगाराम पाराशर, इंद्रजीत भारद्वाज, जगदीश बंजी, योगेश सिंघल, अशोक ताम्बी, राजीव कुम्हेर, यदुनाथ दारापुरिया, भगवान कटारा, रामेश्वर सैनी, बबीता शर्मा, रेनू गौरावर,प्ुष्पेंद्र बन्नो, वीकेश फौजदार,शैलेश पाराशर, हरिमोहन शर्मा, प्रेमसिंह प्रजापत, अवधेश शर्मा,चंद्रकांत शर्मा,अभिषेक तिवारी, इंदु शेखर शर्मा, मनीष भाँडोर, शहीद खान, सुखदेव चौधरी, सुरेश पदयात्री, अजीत सिंह सहित काफी संख्या में कांठोस जन मौजूद रहे।

गुम हुए मोबाइलों को लौटाया

करौली, (निसं)। मार्च (निं.सं.) करौली कोतवाली थाना पुलिस ने ऑपरेशन एंटीवायरस के तहत कार्यवाही करते हुए 22 लोगों के गुम हुए मोबाइल फोन उन्हें बुलाकर कोतवाली में सुपुर्द किये। कोतवाली थाना अधिकारी आध्यात्म गौतम ने बताया कि आपका मोबाइल आपके हाथ करौली पुलिस है आपके साथ कि भावना को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में चलाये जा रहे ऑपरेशन एंटीवायरस के तहत करीब चार लाख रुपये कि बाजार कीमत के 22 मोबाइल फोन बरामद कर मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किये उन्होंने बताया कि गुम हुए मोबाइल मालिकों को जब मोबाईल सुपुर्द किया ।

केलादेवी के पदयात्रियों की सेवा में जुटे हिण्डौन क्षेत्र के लोग

हिण्डौन सिटी, (निसं)। राजराजेश्वरी कैलादेवी माता के चैत्रमास मेले में उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से भारी संख्या में पदयात्रियों की भक्तिगीतों की गूँज के साथ हो रही आवक और जगह जगह लगे पांडालों, भंडारों से पूरा शहर भक्तिमय बना हुआ है। भारत विकास परिषद्, शाखा हिण्डौन सिटी ने शीतल पेयजल व मेडीकल फर्स्ट एड का पॉच दिवसीय पांडाल लगाकर इसमें पहलीबार सहभागिता की है।

शाखा सचिव दीनदयाल सिंघल ने बताया कि प्रतिवर्ष इस मेले में उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से लाखों पदयात्री माता कैलादेवी के दर्शन करने पहुँचता है इस वर्ष भी भारी संख्या में पदयात्रियों की आवक बनी हुई है मातारानी के दरबार में पहुँचने वाले भक्त जय माता दी, जय माता दी के नारे लगाते हुए आस्था लेकर बढ़े चले जा रहे हैं चारों तरफ माता के भजनों की गूँज है। शहर में मुख्य मार्ग पर पांडाल लगाकर भिन्न भिन्न सेवादारों द्वारा खाने पीने, चाय नाश्ता, स्नान, विश्राम, मेडीकल सुविधाओं की व्यवस्थाएँ रखी गई हैं, शहरवासी हजारों लोग तन, मन, धन से इसमें अपनी सहभागिता करके पॉच दिन तक पदयात्रियों को बेहतर सुविधाएँ करने में जुटे हुए हैं।

भारत विकास परिषद की ओर से पदयात्रियों को भंडारा लगाकर की जा रही है सेवा।

शाखा अध्यक्ष उपेन्द्र गुप्ता ने बताया कि परिषद् द्वारा इस लख्खी मेले में पदयात्रियों के लिए 24 से 28 मार्च तक बयाना मोड़ स्थित बसन्त होटल के नीचे शाखा सदस्य आलोक सोलंकी के सहयोग से स्वच्छ व शीतल पेयजल व परिषद् द्वारा मेडीकल फर्स्ट एड सुविधा का पांडाल लगाया है। शाखा सदस्यों के सहयोग से पदयात्रियों को निर्मल जलसेवा के साथ मंगलवार को नमकीन छाछ, बुधवार को प्रातः चाय टोस्ट नाश्ता, सांय को शर्बत, गुरुवार को प्रातः चाय टोस्ट नाश्ता, दोपहर में नमकीन छाछ एवम् अपरान्ह संतरा, पपीता, अंगूर आदि फलों का वितरण किया, शुक्रवार को समापन के दिन वितरण किया जाएगा। सचिव ने बताया कि पेयजल, दवाइयाँ, छाछ, चाय टोस्ट नाश्ता, शर्बत व फल वितरण में परिषद् के निरंजन शर्मा, सुबोध जैन, देवेन्द्र शर्मा, पंकज जैन, अशोक गर्ग, मुकेश जैन, उमेश शर्मा, पवन ऐरन, योगेश बरगमां, अशोक भगत, राजेन्द्र बजाज, योगेश गुप्ता (कम्प्यूटर), मांगीलाल गर्ग, राकेश गुप्ता, मोहित मित्तल, ओमप्रकाश गुप्ता ढिंढोरा, सुनील अग्रवाल, डॉ पीयूष गोयल, अशोक मोदी, अनिल बॉबी, डॉ मनोज गर्ग, वीरेन्द्र जैन, प्रवीण गोयल, राकेश गुप्ता (नवीन), आदि मौजुद थे।

सार-समाचार

धोखाधड़ी के मामले में एक गिरफ्तार

करौली, (निसं)। थानाधिकारी अध्यात्म गौतम पुगिय पुलिस जाप्ता द्वारा पुलिस थाना कोतवाली करौली के अभियोग संख्या 902025 में फर्म मैसर्स बाबू भाई रसीद भाई के ट्रेडमार्क व समान कॉपीराइट का धोखाडी उपयोग कर बाबूभाई रसीद भाई के नाम से बीडी बनाकर बेचने के मामले में मुस्लिम मोहम्मद उवेश खान पुत्र श्री अब्दुल सभी 30 वर्ष मुसलमान निवासी नौचीकिया मौहल्ला जामा मस्जिद बोलीखार करौली थाना कोतवाली करीली को दस्तयाब किया और प्रकरण के अनुसंधान अधिकारी अनुज शुभम आरपीएस लाधिकारी करौली द्वारा गिरतार किया गया जिसे आज न्यायालय में मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर अनि अनुसंधान हेतु दिवस का पी.सी. रिमांड पर लिया गया है।उन्होने बताया कि पुलिस थाना कोतवाली करौली पर परिवादी रुखसार अहमद पुत्र बाबू निवासी शिकारगंज चैराहा मंडरायल रोड करीली ने एक प्राथमिकी इस आशय कि दर्ज करायी कि प्राधी कि अनुमति के बिना प्राधी की बाबू भाई रसीद भाई निर्मित बाबू छाप बीडी के ट्रेडमार्क व समान कॉपीराइट का बिना अनुमति के उपयोग कर मोहम्मद उमेश खॉन अब्दुल समी, मोहम्मद हासिम व उजैर निवासी बोलीखार करौली द्वारा दुभीयपूर्ण इरादे से अपने व्यापक व्यवसाय के माध्यम से प्रामक रूप से समान कॉपीराइट अपनाकर फर्म के ट्रेडमार्क बाबू भाई से मिलता जुलता बाबू भाई समान लोगो समान संरचना नजर बीडी का निर्माण किया है जिसके परिणामस्वरूप बाजार में भ्रम की स्थिति पैदा होती है। जिस मामले मे पुलिस ने कार्यवाही करते हुये आरोपी को गिरफ्तार किया।

रात्रि चैपाल में सुनी परिवेदनाएं

करौली, (निसं)। आमजन की समस्याओं की सुनवाई व उनके त्वरित निस्तारण के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिडवाल की अध्यक्षता में बुधवार को टोडाभीम पंचायत समिति की ग्राम पंचायत किरवाडा में रात्रि चैपाल के दौरान जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त एवं लम्बित प्रकरणों का 15 दिन के अन्दर निस्तारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।जनसुनवाई में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने परिवादियों की समस्याएं सुनी और उनके शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पडे। इस दौरान कुल 22 परिवाद प्राप्त हुए। जिनमें सार्वजनिक निर्माण विभाग से संबंधित तीन परिवाद, विद्युत विभाग से संबंधित चार परिवाद, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के दो परिवाद, पंचायती राज विभाग के तीन परिवाद, राजस्व विभाग से संबंधित नौ परिवाद व श्रम विभाग से संबंधित एक परिवाद का मौके पर निस्तारण किया गया। जिन पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने प्रत्येक प्रकरण की व्यक्तिगत सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्रता से नियमानुसार कार्यवाही करने एवं आमजन को लाभान्वित करवाने के निर्देश प्रदान किए। रात्री चैपाल के दौरान जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में परिवादी उपस्थित रहे।

अस्थायी रोडवेज बस स्टेण्ड शुरू

गंगापुर सिटी, (निसं)। कैलादेवी का लक्खी मेले के शुरू होने के साथ ही दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर स्थित गंगापुर सिटी स्टेशन पर श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया है। यह मेला 15 अप्रैल तक चलेगा। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन पर अस्थायी रोडवेज स्टैंड बनाया गया है। कोटा मंडल रेल प्रबंधक की स्वीकृति से यहां 30 बसों का संचालन होगा। यह सेवा 15 अप्रैल तक 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत जीआरपी के 30 और आरपीएफ के 20जवान तैनात किए गए हैं। हिंडौन आगार के मुख्य प्रबंधक जगतीत सिंह और मेला अधिकारी विष्णु कुमार ने बताया कि गंगापुर सिटी से कैलादेवी तक का किराया 25 रुपए निर्धारित किया गया है। पिछले साल यह किराया 35 रुपए था। स्टेशन प्रबंधक कल्याण लाल मीना के अनुसार, प्लेटफॉर्म एक और दो पर नए शौचालय बनाए गए हैं। मेले में देशभर से लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सबसे अधिक रहती है। जयपुर मुख्यालय ने कैलादेवी मेला स्पेशल बसों का रूट चार्ट तैयार कर लिया है।

गणगौर महोत्सव में महिलाओं ने लिया भाग

गंगापुर सिटी, (निसं)। अखिल भारतीय खण्डेलवाल सुमधुरा सखी सहेली मंच के तहत रंगीला राजस्थान व सनातन संस्कृति की पहचान गणगौर महोत्सव का आयोजन अध्यक्ष के आवास पर रखा गया। अध्यक्ष कुशला खूंटेटा वर्षा नाटाणी ने बताया कि सभी बहने हमारी पारंपरिक परिधान चुनरी व पचरंगा पहन कर आई। कार्यक्रम की शुरुआत मां पार्वती व शिव जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर गणगौर से संबंधित गेम वह प्रश्नोत्तरी रखी गई। वहीं गणगौर के गीतों पर रंगारंग डांस की प्रस्तुतियां दी गई। सभी जीतने वाली बहनों को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी से आग्रह किया गया कि अपने आसपास पक्षियों के लिए दाना पानी की भी व्यवस्था जरूर करें। इस मौके पर पूजा गुप्ता, कौशल्या डंगायच, सीमा, मनीषा डांस, अंशु डांस, संतोष, उर्मिला डांस, ममता डांस, विनीता खूटेटा, रुचि, कुसुम सांमरिया, मधु, कृष्णा ठाकुरिया, अलका टोडवाल, ज्योति, सुमन दुसाध आदि उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न

गंगापुर सिटी, (निसं)। गुरुवार को गंगापुर सिटी और बामनवास विधानसभा क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओ की बैठक की जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में उनके निवास पर आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष गुर्जर ने नव संवत्सर और हिंदू नववर्ष पर जिले के प्रत्येक मंडल में मांगलिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री के वन नेशन, वन इलेक्शन विचार पर सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जागरूकता फैलाने का आग्रह किया। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों की तैयारियों में जुटने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ है। 2 अप्रैल को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। होटल द पर्ल, जयपुर बाइपास पर आठों मंडलों के कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के निर्देश दिए गए। कार्यकर्ताओं ने 3000 लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। बैठक में किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष धनसिंह मावई, पूर्व जिला उपाध्यक्ष रामसिंह खटाना, पूर्व उपसभापति दीपक सिंघल, सभापति शिवरतन अग्रवाल और प्रधान मंजू गुर्जर सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री उदयसिंह गुर्जर ने किया।

अयोध्याधाम के लिए यात्री रवाना

गंगापुर सिटी,(निसं)। शुक्रवार को डीएस ग्रुप के संस्थापक इंजि. उमेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिकों के लिए अयोध्या में रामलला के दर्शन की यात्रा का निःशुल्क आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन डीएस ग्रुप द्वारा 250 वरिष्ठ नागरिकों के लिए किया गया एक पुनीत कार्य है, जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को रामलला के दर्शन का अवसर प्रदान करना है। इस यात्रा का आरम्भ डीएस साइंस एकेडमी के समीप स्थित जैन नसिया की बगीची नसिया कॉलोनी से होगा। यह शोभा यात्रा सायं 6 बजे धूम-धाम से रेल्वे स्टेशन गंगापुर सिटी जाएगी जहाँ से वरिष्ठ नागरिक अयोध्या के लिए प्रस्थान करेंगे। इससे पूर्व में भी 21 मार्च को 250 वरिष्ठ नागरिकों के प्रथम दल ने अयोध्या में रामलला, हनुमान गढी दर्शन व सरयू स्नान कर अपनी यात्रा को पूर्ण कर लिया है। इंजि. शर्मा ने बताया कि उन्होने जो 500 लोगो को निःशुल्क यात्रा करवाने का जो संकल्प लिया था वह आज श्रीराम जी की कृपा से पूरा होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेन्द्र सिंह मग्गो प्रान्त संघ चालक व कार्यक्रम के अध्यक्ष गंगापुर सिटी संघ चालक डॉ. मनोज जैन एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दीपक भाई साहब जिला प्रचारक सवाई माधोपुर रहेंगे।

जुआ खेलते तीन गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। पुलिस थाना उदेई मोड ने जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने गुलकंदी स्कूल के सामने खादी भंडार के पीछे मैदान से तीन जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देश पर जिले में जुआ और सट्टे के खिलाफ विशेष अभियान चल रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजौरा और वृत्ताधिकारी संतराम मीना के निरीक्षण में यह कार्रवाई की गई। थानाधिकारी राजवीर सिंह के नेतृत्व में टीम को मुखबिर से सूचना मिली। सब इंस्पेक्टर कमल प्रसाद की टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की।

जीत हमेशा जरूरी नहीं होती, लेकिन जुनून और जज्बा मायने रखता है। हमारी टीम ने पूरी ताकत से खेला, और मैं उन पर गर्व करता हूँ। केकेआर फैंस, आपका साथ हमें और मजबूत बनाता है!" - शाहरूख खान

केकेआर के मालिक, अपनी टीम के प्रदर्शन के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

यशस्वी जायसवाल

आईपीएल 2025 के छठे मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को 8 विकेट से हरा दिया। भले ही राजस्थान को इस मैच में हार का सामना करना पडा लेकिन यशस्वी जायसवाल ने टी-20 क्रिकेट में एक बड़ा धमाका कर दिया। जायसवाल ने केकेआऱ के खिलाफ मैच में 24 गेंद पर 29 रन की पारी खेली. इस पारी के दौरान उन्होंने अपने टी-20 करियर में 3000 रन पूरे कर लिए। ऐसा कर उन्होंने एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। जायसवाल टी-20 क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 में सबसे तेज 3000 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड शॉन मार्श के नाम है। शॉन मार्श ने 85 पारी में ही 3000 रन पूरा कर लिए थे।

लक्ष्य का पीछा करते समय बल्लेबाजी करना फायदेमंद रहा : डिकॉक

नई दिल्ली, 27 मार्च। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में नाबाद 97 रन की पारी खेल कर कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत दिलाने वाले सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा कि उनके लिए मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना फायदेमंद रहा। डिकॉक ने 61 गेंदों पर आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाकर केकेआर को 17.3 ओवर में जीत के लिए मिले 152 रन के लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। प्लेयर ऑफ द मैच डिकॉक ने पुरस्कार समारोह में कहा, " यह मेरा दूसरा मैच है, हमारे लिए यह अच्छा रहा कि हमने बाद में बल्लेबाजी की। एक विकेटकीपर के रूप में मुझे विकेट परखने का मौका मिला और मैं बल्लेबाजी करते समय उसके अनुसार सामंजस्य बैठा सका। "उन्होंने कहा, " मैं जानता हूं कि आईपीएल बड़े स्कोर के लिए जाना जाता है, लेकिन मैंने सिर्फ हमारे लिए मैच जीतने की कोशिश की।" दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व कप्तान ने कहा, "यह बड़े स्कोर के लिए उपयुक्त विकेट नहीं था, गेंद टर्न ले रही थी और रुक कर आ रही थी। यह सपाट विकेट नहीं था, यहां रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था।"केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने डिकॉक के साथ जीत का श्रेय टीम के स्पिनरों को दिया। उन्होंने कहा, " हमने बीच के ओवरों में दो स्पिनरों को गेंदबाजी कराई। सुनील नारायण की जगह मोईन अली खेले और उन्होंने अच्छा किया।

श्याम लाल कॉलेज की वार्षिक खेल मीट का आयोजन आज

नई दिल्ली, 27 मार्च। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कॉलेज मैदान में शुक्रवार को छात्र और छात्राओं के वर्ग की 'वार्षिक खेल मीट 2024-25' का आयोजन किया जायेगा। कॉलेज के खेल समिति के संयोजक वीरेंद्र सिंह जग्गी के अनुसार, वार्षिक खेल मीट 2024-25 के छात्रों के साथ-साथ शिक्षक और कॉलेज के गैर-शिक्षण स्टाफ भी भाग लेंगे। श्याम लाल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. रबी नारायण कर 'वार्षिक खेल मीट 2024-25' के मुख्य अतिथि होंगे। लड़कियों के वर्ग में छात्रों के लिए 50 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर में दौड़ आयोजित की जाएगी। लड़कों में वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और 1500 मीटर में दौड़ होगी। इसके अलावा शिक्षण और गैर -शिक्षण स्टाफ के लिए कार्यक्रमों को 45 वर्ष से कम और 45 वर्ष से अधिक के दो आयु समूहों में आयोजित किया जाएगा। लेमन रेस और म्यूजिकल चेयर स्पर्धा भी होगी।

चोटिल लैथम पाक के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से हुए बाहर

वेलिंग्टन, 27 मार्च। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है टीम के कप्तान टॉम लैथम चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये है। लैथम को इस सप्ताह दाहिने हाथ में चोट लगी थी। प्रशिक्षण के दौरान लैथम के हाथ में फ्रैक्चर हुआ था। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि एक्स-रे रिपोर्ट में गंभीर चोट की पुष्टि हुई है। लैथम की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की कमान संभालेंगे जबकि हेनरी निकोल्स को टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, सीरीज की पूर्व संध्या पर कप्तान टॉम लेथम का चोटिल होना निश्चित रूप से निराशाजनक है और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले माइकल के साथ टीम सुरक्षित हाथों में है।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 5 विकेट से हराया

हैदराबाद, 27 मार्च। शार्दुल ठाकुर (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद निकोलस पूरन (70) और मिचेल मार्श (52) की अर्धशतकीय विस्फोटक पारियों की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सातवें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 23 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया ।

सनराइजर्स हैदरबाद के 190 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम (एक) का विकेट गवां दिया। उन्हें मोहम्मद शमी ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये निकोलस पूरन ने मिचेल मार्श के साथ ना केवल पारी को संभाला दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए रन भी बटोरे। दोनों

बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 116 रनों की साझेदारी हुई। यह आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से दूसरे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। नौवें ओवर में पैट कमिंस ने निकोलस पूरन को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। निकोलस पूरन ने 26 गेंदों में छह चौके और छह छक्के लगाते हुए (70) रनों की विस्फोटक पारी खेली। 11वें ओवर में कमिंस ने मिचेल मार्श को भी अपना शिकार बना लिया। मिचेल मार्श ने 31 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए (52) रन बनाये। चौथे विकेट के रूप में आयुष बदोनी (छह) रन आउट हुये। कप्तान ऋषभ पंत (15) रन बनाकर आउट हुये। उन्हें हर्षल पटेल ने आउट किया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने 16.1 ओवर में 193 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। अब्दुल समद ने आठ गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 22) रन बनाये। डेविड मिलर (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे।

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पैट कमिंस ने दो, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल और एडम जम्पा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 15 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। अभिषेक शर्मा (छह), इशान किशन (शून्य) को शार्दुल ठाकुर ने आउट कर शुरुआत में ही हैदराबाद को जोरदार झटका दिया। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी ने ट्रैविस हेड के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई।

रियान पराग के लिए फैन की दीवानगी, जेल जाने तक को तैयार

गुवाहाटी, 27 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के छठे मैच में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला खेला गया। जिसे केकेआर ने 8 विकेट से जीत लिया। वहीं रॉयल्स ने लगातार अपना दूसरा मैच गंवाया है। वहीं गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले के दौरान एक फैन मैदान तक पहुंच गया और रियान पराग के पैर छूने लगा। बुधवार को रॉयल्स और केकेआर के बीच मुकाबले के दौरान भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। जहां एक फैन मैदान में घुस गया। ये फैन रियान पराग का था, 12वें ओवर के दौरान ये घटना हुई। सबसे पहले तो फैन ने रियान के पैर छुए और बाद में रियान ने फैन कोगले लगाया।

आईपीएल के बाद ब्रेक लेंगे कप्तान रोहित शर्मा

इंग्लैंड दौरे पर नहीं होंगे टीम का हिस्सा

नई दिल्ली, 27 मार्च। भारतीय क्रिकेटर्स मौजूदा समय में आईपीएल में जलवा बिखेर रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी से जुड़ गए थे। आईपीएल का ये त्यौहार दो महीने से भी ज्यादा लंबे समय तक चलेगा। इसके बाद टीम इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस दौरे पर रोहित शर्मा नजर नहीं आएंगे।भारत को जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। इस दौरे पर वह पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। स्पोर्ट्स टुडे की खबर के मुताबिक रोहित शर्मा इस दौरे पर नहीं जाएंगे। खबर के मुताबिक रोहित शर्मा ने नाम वापस लेने का फैसला किया है। हालांकि, विराट कोहली टीम का हिस्सा होंगे और दौरे पर जाएंगे।

इस दौरे से पहले टीम ने पिछली टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में खेली थी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में कोहली और रोहित शर्मा दोनों ही कुछ खास नहीं कर सके थे। रोहित शर्मा ने सीरीज के तीन मैचों में केवल 31 रन बनाए थे। इसके बाद उन्होंने आखिरी मैच से खुद को बाहर करने का फैसला किया था जिसके बाद जसप्रीत बुमराह ने टीम की कप्तानी की थी। रोहित के खुद बाहर हो जाने को संन्यास से जोड़कर देखा जा रहा था।

रोहित शर्मा ने साफ कर दिया था कि उनका खुद को बाहर करने का फैसला संन्यास का फैसला नहीं है। उन्होंने कहा था कि, ये संन्यास का फैसला नहीं है। मैं इस खेल से दूर नहीं जा रहा हूं। लेकिन मैंने इस खेल से दूर जाने का फैसला इसलिए लिया क्योंकि मैं बल्ले से रन नहीं बना पा रहा था।

मियामी ओपन के सेमीफाइनल में एलेक्जेंडा एला भिड़ेंगी जेसिका पेगुला से

फ्लोरिडा, 27 मार्च। मियामी ओपन में महिला एकल के सेमीफाइनल में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला और अमेरिका की जेसिका पेगुला के बीच शुक्रवार को मुकाबला होगा। अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने गुरुवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। पेगुला ने राडुकानू पर 6-4, 6-7(3), 6-2 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। इसी के साथ अमेरिकी खिलाड़ी ने पिछले चार वर्षों में तीसरी बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जहां उनका कल फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला से मुकाबला होगा। एक दिन पहले बुधवार को फिलीपींस की टेनिस खिलाड़ी एला ने मियामी ओपन में एक और उलटफेर करते हुए महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक को हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियाटेक को एला ने सीधे सटों में 6-2, 7-5 से हराया।

बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में हो सकते हैं बड़े बदलाव

सीनियर खिलाड़ियों को होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, 27 मार्च। बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान हो चुका है। जबकि पुरुष टीम के लिए अभी ऐलान होना बाकी है। लेकिन उससे पहले पुरुष क्रिकेट टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि बीसीसीआई जल्द ही सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर सकती है। इसमें किसे प्रमोशन मिलेगा, किसे डिमोशन, किसकी छुट्टी होगी और किन नए चेहरों को एंट्री मिलेगी, इसे लेकर तमाम मीडिया रिपोर्ट्स में अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। वैसे औपचारिक ऐलान होने तक इनकी अहमियत अटकलों से ज्यादा कुछ नहीं है। वैसे एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तो सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जिसमें कहा जा रहा है कि, विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के टी20 फॉर्मेस से संन्यास लेने के बाद इन्हें कॉन्ट्रैक्ट में नुकसान हो सकता हैटीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर के भारी भरकम सपोर्ट स्टाफ पर भी कैंची चल सकती है। उसी की एक अन्य रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा को ग्रेड से डिमोट करके ए ग्रेड में डाला जा सकता है। ए ग्रेड सबसे टॉप ग्रेड है। इसमें आमतौर पर उन खिलाड़ियों को रखा जाता है जो लगातार टीम इंडिया के लिए तीनों फॉर्मेट में अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। चूंकि, रोहित, कोहली और जडेजा तीनों ही टी20 से संन्यास ले चुके हैं, लिहाजा उन्हें ए ग्रेड में डाला जा सकता है। शुभमन गिल को ए ग्रेड से प्रमोट करके ए ग्रेड में डाला जा सकता है।एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्षर पटेल को ग्रेड बी से प्रमोट करके ग्रेड ए में शामिल किया जा सकता है। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके रविचंद्रन अश्विन को कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से छुट्टी हो सकती है।कुछ नए चेहरों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में एंट्री हो सकती है। नीतीश रेड्डी, हर्षित राणा और अभिषेक शर्मा को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। इन्हें सी कैटेगरी में रखा जा सकता है। पिछली बार घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने की वजह से श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से छुट्टी कर दी गई थी लेकिन इस बार अय्यर को एंट्री मिल सकती है।

चेन्नई सुपर किंग्स के घर में जीत के लिए तरसती है आरसीबी

चिदंबरम, 27 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 8वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला 28 मार्च को एम चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल 2025 में सीएसके और आरसीबी की टीम ने अपने-अपने पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत की है। ऐसे में चेपॉक में दोनों बीच के बीच एक जोरदार घमासान देखने को मिलेगा।चेन्नई सुपर किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल टीम में से एक है। सीएसके ने आईपीएल में पांच बार खिताबी जीत हासिल की है। वहीं आरसीबी की झोली अभी तक खाली रही है। आईपीएल में जब भी इन दोनों टीमों के बीच भिड़ंत होती है तो मुकाबला देखने लायक होता है, लेकिन सीएसके के घर में आरसीबी की हालत हमेशा खराब रही है। सीएसके ने अपने घर में हमेशा आरसीबी पर अपना दबदबा बना कर रखा है।आईपीएल में सीएसके और आरसीबी के बीच अब तक कुल 33 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इन मैचों में सीएसके की टीम ने 21 बार जीत हासिल की है। वहीं आरसीबी की बात करें तो वह सिर्फ 11 बार सीएसके को हरा पाई है। इस रिकॉर्ड से साफ है कि सीएसके के खिलाफ आरसीबी की टीम हमेशा से कमजोर रही है। वहीं सीएसके के घर में आरसीबी के रिकॉर्ड की बात की जाए तो वह और भी ज्यादा खराब है।

जोशना, अनाहत स्क्वैश इंडियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल में

मुंबई, 27 मार्च। भारतीय दिग्गज खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और अनाहत सिंह ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए स्क्वैश इंडियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। बॉम्बे जिमखाना के आउटडोर ग्लास कोर्ट पर जोशना चिनप्पा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त आकांक्षा सालुंखे के खिलाफ पांच मैचों के कड़े मुकाबले में अपने अनुभव का जबरदस्त प्रदर्शन किया। पूर्व एशियाई चैंपियन जोशना ने 56 मिनट तक चले मुकाबले में सालुंखे को 3-2 (12-10, 13-11, 9-11, 9-11, 11-5) से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं दूसरी ओर, 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने मिस्र के नादियन एल्हममी के खिलाफ संयम का परिचय देते हुए 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी की और कड़े मुकाबले में 3-2 (11-6, 12-14, 8-11, 11-6, 11-9) से जीत हासिल की। इस बीच, पुरुषों के ड्रॉ में भारत के अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशनराज चंद्रन को सीधे सेटों में (11-5, 11-8, 11-7) में हराकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। वीर चोटरानी हालांकि, मिस्र के करीम एल टॉर्क से 0-3 (4-11, 8-11, 5-11) से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

3 दिग्गजों की विश्वस्तरीय कोचिंग भी नहीं दिला पा रही राजस्थान रॉयल्स को जीत

जयपुर, 27 मार्च। सब कुछ करके भी हम कुछ नही कर पाए, यही बदकिस्मती रही हमारी। किसी ने सोचा भी न था कि राजस्थान रॉयल्स का हाल आईपीएल के 18वें सीजन में ऐसा होगा। राजस्थान रॉयल्स टीम के कोच राहुल द्रविड, जो खुद भारतीय टीम के बल्लेबाज़ी की दीवार माने जाते थे। बल्लेबाज कोच विक्रम राठौड़ ओर स्पिन गेंदबाजी के कोच साईराज बहुतुले की तिकड़ी का बल्लेबाज़ी ओर

गेंदबाजी की गहरी समझ के साथ-साथ व्यापक कोचिंग भी राजस्थान रॉयल्स के बेदम ओर गेंदबाजी में दम भरने में

नाकामयाब नज़र आ रही है। राजस्थान रॉयल्स 2008 के पहले संस्करण की चैंपियन थी और आईपीएल में हिस्सा लेने वाली 10 टीमों में से एक है। युवा ऑलराउंडर 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, 26 मार्च को गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल के दोंनो मैचों में लगातार राजस्थान रॉयल्स टीम ने दोनों टीमों के सामने घुटने टेक दिये और टीम के न ही बल्लेबाज़ों में अपने बल्ले से रन बनाने का जुनून दिखा, न ही गेंदबाजों की गेंदबाजी में स्विंग की लय दिखाई दी।

राजधानी

डॉ. प्रेमचंद बैरवा को धमकी देने वाले सहित छह लोग गिरफ्तार

तीन लाख रु.का कर्ज और दूसरी जेल में शिफ्ट होने के लिए दी थी धमकी

जयपुर। लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी देने वाले सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस आयुक्त गांधीनगर जयपुर पूर्व नारायण बाजिया के नेतृत्व में 100 से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने देर रात तक जयपुर जेल में सर्च अभियान चलाया था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी देने वाला शाहनील निवासी शास्त्री नगर जयपुर, वसीम खान निवासी झोटवाड़ा जयपुर,मनीष परिहार निवासी जोधपुर, विकमसिह बडोद जिला सवाई माधोपुर को सेंट्रल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है और वहीं सिम धारक जुनैद निवासी झोटवाड़ा जयपुर सहित जेल में सिम पहुंचाने वाले अशरफ निवासी झोटवाड़ा जयपुर को भी पकड़ा है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) ने बताया कि पुलिस थाना लाल कोठी जयपुर के इलाके में केंद्रीय कारागार जयपुर से गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम

लाल कोठी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उप मुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी देने वाले सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर के 100 नंबर पर कॉल आया कि उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा को मरवा देंगे और वह अनिल बोल रहा है।। इस पर वारदात को गंभीरता से लेते हुए एक पुलिस टीम गठित की गयी। टीम ने जिस नंबर से पीसीआर में काल आया उसका सीडीआर विश्लेषण कर सीएसटी व जयपुर के अलग अलग क्षेत्रों में 15 जगह दबिश दी गई। जिसमें आरोपित जनैद व अशरफ को भी दस्तयाब किया गया। जिस मोबाइली से फोन किया गया था वह सिम भी जुनैद के नाम से ही थी। जुनैद ने उक्त सिम आरोपी शाहनील तक किस माध्यम से पहुंचाई। जिसके संबंध में जांच पड़ताल जारी है।

जानकारी में सामने आया कि आरोपित शाहनील ने जेल में ही किराये पर फोन देने का व्यवसाय चला रखा है। वार्ड नम्बर 9 में वह बंदियों से प्रत्येक मिनट के 100 रुपये वसूलता है। शाहनील और किन किन बंदियों को मोबाइल बात करने के लिए देता था उस संबंध में पूछताछ जारी है। जिन्होनें उक्त बरामद मोबाईल का उपयोग किया उन कैदियों में से एक बंदी विक्रम सिंह है। जो शाहनील से उक्त मोबाइल लेकर कंट्रोल रूम 100 नंबर पर काल करके उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा को मारने की धमकी दी। विकम सिंह के उक्त जेल में तीन लाख रुपये का कर्जा होने के कारण वह दूसरी जेल में शिफ्ट होना चाहता था। इसलिए उसने धमकी देना पूछताछ से सामने आया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। इस मामले में जेल प्रशासन व अन्य जिन जिन लोगों की संलिप्तता है, उस संबंध में अनुसंधान जारी है।

वरिष्ठ अधिवक्ता नामित नहीं करने पर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तीन साल से वरिष्ठ अधिवक्ता नामित नहीं करने पर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता पूनमचंद भंडारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि राजस्थान हाई कोर्ट ने 24 जनवरी, 2022 के बाद अब तक वरिष्ठ अधिवक्ता नामित नहीं किए हैं। जबकि हाईकोर्ट के खुद के दिशा-निर्देशों के अनुसार हर दो साल में वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नामित किया जाना चाहिए। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी नियम बनाकर वरिष्ठ अधिवक्ता नामित करने की गाइड लाइन जारी कर रखी है। इसके बावजूद हाईकोर्ट प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के आधार पर स्वयं के नियम नहीं बनाए हैं। जिसके चलते हाईकोर्ट के कई वरिष्ठ अधिवक्ता अब तक वरिष्ठ अधिवक्ता के तौर पर नामित नहीं हो पाए हैं। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने हाईकोर्ट प्रशासन से जवाब तलब किया है।

वकील 1052 दिन से दे रहे धरना- जनवरी, 2022 में वरिष्ठ अधिवक्ता नामित करने में धांधली का आरोप लगाते हुए याचिकाकर्ता सहित अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता टीएन शर्मा के साथ ही अन्य वकील बीते 1052 दिनों से हाईकोर्ट में धरना दे रहे हैं।

नए वाहनों से कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मिलेगी मजबूती : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत जवाहर सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम में 150 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिस कार्मिक मौजूद रहे।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत जवाहर सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम 'सुरक्षा एवं सुगमता का संकल्प समारोह' से 150 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्य सरकार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। इसके लिए पुलिस बल को तमाम आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में पुलिस बल में शामिल हुए इन नए वाहनों से राज्य में आमजन के लिए सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों से मिलकर उनका हौसला अफजाई किया। उन्होंने प्रत्येक पुलिसकर्मी से व्यक्तिशः मुलाकात कर कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान शर्मा ने पुलिस बेण्ड सहित सभी पुलिस बल के साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। पुलिस कार्मिकों का मुख्यमंत्री द्वारा हौसला अफजाई करने पर मनोबल बढ़ा तथा वे बेहद उत्साहित नजर आए।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, महानिदेशक साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी, महानिदेशक इन्टेलिजेंस संजय अग्रवाल, महानिदेशक टी.एन.टी. अनिल पालीवाल सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं पुलिस कार्मिक मौजूद रहे।

अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति हो रहा सशक्त : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा, पूर्ववर्ती सरकार ने युवाओं के साथ विश्वासघात किया

- भरतपुर में, आयोजित अन्त्योदय कल्याण समारोह में 92 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई।
- स्वामित्व योजना में 20 हजार पट्टे एवं माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को भरतपुर गए, वहां उन्होंने अन्त्योदय कल्याण समारोह को संबोधित किया। भरतपुर प्रवास के दौरान एम.एस.जे. महाविद्यालय, जहां के वे पूर्व छात्र हैं, में उनका भव्य स्वागत किया।

भरतपुर, 27 मार्च (निसं)। गुरूवार को भरतपुर में राजस्थान दिवस कार्यक्रम के तहत आयोजित अन्त्योदय कल्याण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संभावनाओं और सामर्थ्य से भरा राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है तथा इस प्रगति का लाभ प्रदेश में गरीब व्यक्ति को मिल रहा है। अब अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति सशक्त होने के साथ ही मुख्यधारा में आ रहा है।

उन्होंने कहा, राजस्थान दिवस उत्सव की श्रृंखला में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से अन्त्योदय का विचार ब्रज की भूमि से देश-प्रदेश तक पहुंचेगा।

कांग्रेस तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ट्वीट करने में व्यस्त थी, जबकि हम जमीन पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक घोटाले चरम पर थे, लेकिन उस वक्त मुख्यमंत्री के ओहदे पर बैठे गहलोत होटलों में बैठकर सत्ता बचाने की राजनीति कर रहे थे। उन्होंने पेपर लीक को लेकर कहा कि कांग्रेस सरकार में पेपर लीक हुए, हमारे कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने डीबीटी के माध्यम से 92 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 100 करोड रुपये की राशि का हस्तांतरण किया। साथ ही, मुख्यमंत्री ने डांग, मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजनाओं के लिए 300 करोड रुपये (प्रति योजना 100 करोड रूपए) की राशि आवंटित की। कार्यक्रम में प्रदेशभर में स्वामित्व कार्ड योजना के तहत 20 हजार पट्टों का वितरण, 311 लोगों को डेयरी बूथ अलॉटमेंट, माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक का वितरण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों को पावर ड्रिवन व्हील चेयर एवं असिस्टिव डिवाइस वितरित की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से वर्चुअली माध्यम से जुड़े विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना, गुरू गोलवलकर आशान्वित ब्लॉक विकास योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना की मार्गदर्शिकाओं एवं दिव्यांगजनों के लिए 'समान अवसर नीति 2025' का विमोचन भी किया। साथ ही, दादूदयाल घुमन्तू सशक्तीकरण योजना', मा नेत्र वाउचर योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के न्यू पैकेज देने व विधायक जनसुनवाई केन्द्र स्थापित किए जाने के संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास के ई-वर्क पोर्टल 2.0 एवं मोबाइल ऐप का भी शुभारंभ किया।

पद्मेश मिश्रा की ए.ए.जी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वादनीति एक अत्यन्त ही महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है, जिसके माध्यम से प्रदेश के महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त किए जाते हैं, इसलिए इसमें किए गए संशोधनों को बड़ी ही बारीकी से देखा जाना चाहिए और किसी भी व्यक्ति विशेष को लाभान्वित कराने के लिए संशोधन नहीं किए जाने चाहिए। याचिकाकर्ता का कहना है कि महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता बहुत ही महत्वपूर्ण पद है, जो राज्य सरकार की ओर से अदालतों में पैरवी करते हैं। इसलिए इनकी नियुक्ति बहुत ही नीतिगत तरीके से की जानी चाहिए। अपनी अपील में उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने पद्मेश मिश्रा को नियुक्त करते वक्त उनकी योग्यता, तथा महाधिवक्ता और अन्य महाधिवक्ताओं के बीच कार्यसाधकता के विषय पर कोई विचार-विमर्श नहीं किया और सीधे ही उनकी नियुक्ति कर दी। याचिकाकर्ता का कहना है कि इस तरह की नियुक्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्णय दिए हैं।

मोदी का भारत यात्रा का निमंत्रण स्वीकार किया पुतिन ने

नई दिल्ली, 27 मार्च। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत आने के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। उनकी भारत यात्रा की तैयारियां चल रही हैं। इस बात की जानकारी रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को दी। हालांकि किसी भी पक्ष ने अभी यह नहीं बताया है कि पुतिन का भारत दौरा कब होगा।

लावरोव ने रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद की ओर से "रूस और भारत: एक नए द्विपक्षीय एजेंडा की ओर," विषय पर आयोजित सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय

- रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, भारत के प्र.मंत्री मोदी ने तीसरे कार्यकाल में पहली विदेश यात्रा के लिए रूस को चुना। अब हमारी बारी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले विदेश दौरे के लिए रूस को चुना था,अब हमारी बारी है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने 06 दिसंबर 2021 में भारत की यात्रा की थी। वे सिर्फ 4 घंटे के लिए भारत आए थे। इस दौरान भारत और रूस के बीच 28 समझौतों पर दस्तखत हुए थे। फरवरी 2022 में यूक्रेन वॉर शुरू होने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा होगी। इस विजिट से दोनों देशों के बीच 2030 के लिए नए आर्थिक रोडमैप को आगे बढ़ ाने की उम्मीद है।

रीट पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले की सुनवाई में राज्य सरकार ने अदालत को कहा था कि पहले भी कई भर्तियों को एसओजी की जांच के बाद रद्द किया गया था। इसके अलावा याचिकाकर्ता अपने आप को राष्ट्रीय स्तर का संगठन बताता है, लेकिन अन्य राज्यों में रद्द हुई विभिन्न भर्तियों को लेकर संगठन ने सीबीआई जांच की मांग नहीं की है। एसओजी मामले में निष्पक्षता से जांच कर रही है। इसलिए जनहित याचिका को खारिज किया जाए। इसके बाद खंडपीठ ने पेपर लीक की जांच सीबीआई को सौंपने ने इनकार करते हुए याचिकाओं को निस्तारित कर दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील तीसरे दिन भी हड़ताल पर

वकीलों ने सुप्रीम कोलीजियम के जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादले के खिलाफ भारी नारेबाजी

प्रयागराज, 27 मार्च। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरण करने संबंधी सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम के फैसले के खिलाफ बार एसोसिएशन की हड़ताल में गुरूवार को धरना प्रदर्शन करते हुए जस्टिस वर्मा गो बैक के नारे लगाए गये।

- दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा घर में आग लगने पर कथित तौर नोटों के बंडल मिलने के कारण विवादों में आ गए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट गेट नम्बर तीन पर हुई सभा में पदाधिकारियों संग अधिवक्ताओं ने दोहराया कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का हाईकोर्ट में स्थानांतरण मान्य नहीं है। गुरूवार को अधिवक्ताओं की हड़ताल का लगातार तीसरा दिन है। अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक न्यायमूर्ति वर्मा के तबादले की सिफारिश कोलीजियम द्वारा वापस नहीं ली जाती है, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

अधिवक्ताओं के हड़ताल पर रहने से अदालतों में कामकाज नहीं हो पा रहा है। न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित है। प्रतिदिन करीब दस हजार मुकदमों की सुनवाई होती है, लेकिन हड़ताल के कारण तीन दिन में 30 हजार सुनवाई फंसी हैं। नए मुकदमों की लिस्टिंग पूरी तरह ठप है।

हजारों केसों में तारीख लग रही हैं। प्रदेश के तमाम जिलों से आने वाले वादकारी मुकदमों की सुनवाई नहीं होने के कारण परेशान हैं।

वरिष्ठ न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के मामले को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी के नेतृत्व में अधिवक्ता दल बुधवार को कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मिला। बताया जा रहा है बातचीत बहुत ही सकारात्मक रही है। तिवारी ने गुरूवार को दिल्ली सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल से भी मुलाकात की।

'ममता बनर्जी, बाँग्लादेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सर्वाधिक मुखर विरोध किया था और अब सत्ता में आने के बाद, वे वामपंथियों की कार्य योजना का अनुसरण करते हुए विदेशियों को देश में ला रही हैं।

ममता बनर्जी वामपंथी मोर्चे की उस रणनीति को पूरी तरह उच्चतर स्तर पर ले गई है और उन्होंने इन्हें छिपाने के रास्ते अपनाये हैं। शाह ने कहा कि अधिकांश अवैध घुसपैठियों के पास राज्य सरकार के दफ्तरों द्वारा जारी किये गये आधार कार्ड राज्य के चौबीस परगना जिले में जारी हुये हैं।

शाह ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में पकड़े गये इन अवैध घुसपैठियों में से सभी के पास आधार कार्ड थे तथा वे बंगाल के गिने-चुने सीमावर्ती जिलों में जारी हुये हैं।

शाह ने कहा कि भारत आर्थिक ताकत के रूप में आगे बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में विदेशियों का कुछ मात्रा में प्रवेश तो अपेक्षित है, लेकिन अवैध विदेशियों का प्रवेश बहुत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि वे जघन्य गतिविधियों में लिप्त होते हैं। बंगाल सरकार अपनी संकीर्ण नीतियों के कारण पूरे देश की सुरक्षा के साथ समझौता कर रही है, जो राष्ट्र-हित की दृष्टि से बहुत नुकसानदेह है।

शाह इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद, ये सारे कृत्य रूक जायेंगे।

इस सरकार के संकीर्ण सोच और कृत्यों के चलते, इसके ज्यादा समय तक चलने के आसार दिखाई नहीं दे रहे हैं।

'श्रीलंका की जेलों में 97 भारतीय मछुआरे बंद हैं'

नयी दिल्ली, 27 मार्च। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरूवार को राज्यसभा को बताया कि अभी 97 भारतीय मछुआरे श्रीलंका की जेलों में बंद हैं। डा . जयशंकर ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा कि श्रीलंका सरकार ने पिछले दो तीन वर्षों में इस संबंध में कड़े कानून बनाये हैं। भारत सरकार मछुआरों की रिहाई के बारे में श्रीलंका सरकार के साथ राजनयिक स्तर पर समय समय पर बात करती रहती है। उन्होंने कहा कि गलती से श्रीलंका की समुद्री सीमा में चले जाने वाले मछुआरों की सहायता के लिए सरकार उनकी नौकाओं पर ट्रांसपोंडर लगाने का काम कर रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908